कक्षा दसवीं, विषय-हिंदी परीक्षा सामग्री - 2023-24

पाठ - 11 (अपठित गद्यांश)

1) इस संसार में प्रकृति द्वारा मनुष्य को दिया गया सबसे अमूल्य उपहार 'समय' है। ढह गई इमारत को दोबारा खड़ा किया जा सकता है; बीमार व्यक्ति को इलाज द्वारा स्वस्थ किया जा सकता है ; खोया हुआ धन दोबारा प्राप्त किया जा सकता है ; किन्तु एक बार बीता समय पुनः नहीं पाया जा सकता। जो समय के महत्त्व को पहचानता है, वह उन्नति की सीढ़ियाँ चढ़ता जाता है। जो समय का तिरस्कार करता है, हर काम में टालमटोल करता है, समय को बर्बाद करता है, समय भी उसे एक दिन बर्बाद कर देता है। समय पर किया गया हर काम सफलता में बदल जाता है जबकि समय के बीत जाने पर बहुत कोशिशों के बावजूद भी कार्य को सिद्ध नहीं किया जा सकता। समय का सदुपयोग केवल कर्मठ व्यक्ति ही कर सकता है, लापरवाह, कामचोर और आलसी नहीं। आलस्य मनुष्य की बुद्धि और समय दोनों का नाश करता है। समय के प्रति सावधान रहने वाला मनुष्य आलस्य से दूर भागता है तथा परिश्रम, लगन व सत्कर्म को गले लगाता है। विद्यार्थी जीवन में समय का अत्यधिक महत्त्व होता है। विद्यार्थी को अपने समय का सदुपयोग ज्ञानार्जन में करना चाहिए न कि अनावश्यक बातों, आमोद-प्रमोद या फैशन में।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

प्रश्न 1. प्रकृति द्वारा मनुष्य को दिया गया सबसे अमूल्य उपहार क्या है?

उत्तर - प्रकृति द्वारा मनुष्य को दिया गया सबसे अमूल्य उपहार समय है।

प्रश्न 2. समय के प्रति सावधान रहने वाला व्यक्ति किससे दूर भागता है?

उत्तर - समय के प्रति सावधान रहने वाला व्यक्ति आलस्य से दूर भागता है।

प्रश्न 3. विद्यार्थी को समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए?

उत्तर - विद्यार्थी को समय का सदुपयोग ज्ञानार्जन में करना चाहिए।

प्रश्न 4. 'कर्मठ' तथा 'तिरस्कार' शब्दों के अर्थ लिखिए।

उत्तर - 1) कर्मठ - परिश्रमी 2) तिरस्कार - अपमान।

प्रश्न 5. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

उत्तर - प्रकृति का अमूल्य उपहार - समय।

2) हर देश, जाति और धर्म के महापुरुषों ने 'सादा जीवन और उच्च विचार' के सिद्धांत पर बल दिया है, क्योंकि हर समाज में ऐश्वर्यपूर्ण, स्वच्छंद और आडम्बरपूर्ण जीवन जीने वाले लोग अधिक हैं। आज मनुष्य सुख-भोग और धन-दौलत के पीछे भाग रहा है। उसकी असीमित इच्छाएँ उसे स्वार्थी बना रही हैं। वह अपने स्वार्थ के सामने दूसरों की सामान्य इच्छा और आवश्यकता तक की परवाह नहीं करता जबकि विचारों की उच्चता में ऐसी शक्ति होती है कि मनुष्य की इच्छाएँ सीमित हो जाती हैं। सादगीपूर्ण जीवन जीने से उसमें संतोष और संयम जैसे अनेक सद्गुण स्वतः ही उत्पन्न हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त उसके जीवन में लोभ, द्वेष और ईर्ष्या का कोई स्थान नहीं रहता। उच्च विचारों से उसका स्वाभिमान भी बढ़ जाता है जो कि उसके चरित्र की प्रमुख पहचान बन जाता है। इससे वह छल-कपट, प्रमाद और अहंकार से दूर रहता है। किन्तु आज की इस भाग-दौड़ वाली ज़िन्दगी में हरेक व्यक्ति की यही लालसा रहती है कि उसकी ज़िन्दगी ऐशो-आराम से भरी हो। वास्तव में आज के वातावरण में मानव पश्चिमी सभ्यता, फैशन और भौतिक सुख साधनों से भ्रमित होकर उनमें संलिप्त होता जा रहा है। ऐसे में मानवता की रक्षा केवल सादा जीवन और उच्च विचार रखने वाले महापुरुषों के आदर्शों पर चलकर ही की जा सकती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

प्रश्न 1. हर देश जाति और धर्म के महापुरुषों ने किस सिद्धांत पर बल दिया है ?

उत्तर -हर देश, जाति और धर्म के महापुरुषों ने 'सादा जीवन और उच्च विचार' के सिद्धांत पर बल दिया है।

प्रश्न 2. अपने स्वार्थ के सामने मनुष्य को किस चीज़ की परवाह नहीं रहती ?

उत्तर - अपने स्वार्थ के सामने मनुष्य को दूसरों की सामान्य इच्छा और आवश्यकता की भी परवाह नहीं रहती।

प्रश्न 3. सादगीपूर्ण जीवन जीने से मनुष्य में कौन-कौन से गुण उत्पन्न हो जाते हैं?

उत्तर- सादगीपूर्ण जीवन जीने से मनुष्य में संतोष और संयम के गुण उत्पन्न हो जाते हैं।

प्रश्न 4. 'प्रमाद' तथा 'लालसा' शब्दों के अर्थ लिखिए।

उत्तर - 1) प्रमाद - नशा 2) लालसा – अभिलाषा।

प्रश्न 5. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

उत्तर – सादा जीवन और उच्च विचार।

3) मनुष्य का जीवन कर्म-प्रधान है। मनुष्य को निष्काम भाव से सफलता-असफलता की चिंता किए बिना अपने कर्त्तव्य का पालन करना है। आशा या निराशा के चक्र में फँसे बिना उसे लगातार कर्त्तव्यनिष्ठ बना रहना चाहिए। किसी भी कर्त्तव्य की पूर्णता पर सफलता अथवा असफलता प्राप्त होती है। असफल व्यक्ति निराश हो जाता है, किन्तु मनीषियों ने असफलता को भी सफलता की कुंजी कहा है। असफल व्यक्ति अनुभव की सम्पत्ति अर्जित करता है, जो उसके भावी जीवन का निर्माण करती है। जीवन में अनेक बार ऐसा होता है कि हम जिस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए परिश्रम करते है, वह पूरा नहीं होता है। ऐसे अवसर पर सारा परिश्रम व्यर्थ हो गया-सा लगता है और हम निराश होकर चुपचाप बैठ जाते हैं। उद्देश्य की पूर्ति के लिए पुन: प्रयत्न नहीं करते। ऐसे व्यक्ति का जीवन धीरे-धीरे बोझ बन जाता है। निराशा का अंधकार न केवल उसकी कर्म-शक्ति, बल्कि उसके समस्त जीवन को ही ढँक लेता है। मनुष्य जीवन धारण करके कर्म-पथ से कभी विचलित नहीं होना चाहिए। विघ्न बाधाओं की, सफलता-असफलता की तथा हानि-लाभ की चिंता किए बिना कर्त्तव्य के मार्ग पर चलते रहने में जो आनंद एवं उत्साह है, उसमें ही जीवन की सार्थकता है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

प्रश्न 1. कर्त्तव्य-पालन में मनुष्य के भीतर कैसा भाव होना चाहिए?

उत्तर- कर्तव्य-पालन में मनुष्य के भीतर सफलता-असफलता की चिंता को त्याग कर केवल कर्त्तव्य के पालन का भाव होना चाहिए।

प्रश्न 2. सफलता कब प्राप्त होती है?

उत्तर- सफलता की प्राप्ति तब होती है जब मनुष्य बिना किसी आशा या निराशा के चक्र में फँसे हुए निरंतर अपने कार्य में लगा रहता है।

प्रश्न 3. जीवन में असफल होने पर क्या करना चाहिए?

उत्तर- जीवन में असफल होने पर कभी भी निराश-हताश नहीं होना चाहिए और निरंतर अपने उद्देश्य की प्राप्ति के लिए कार्य करते रहना चाहिए।

प्रश्न 4. 'निष्काम' और 'मनीषियों' शब्दों के अर्थ लिखिए।

उत्तर – 1) निष्काम - निरीह 2) मनीषियों - पंडितों/विद्वानों।

प्रश्न 5. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

उत्तर- जीवन में कर्म का महत्त्व।

4) व्यवसाय या रोज़गार पर आधारित शिक्षा व्यावसायिक शिक्षा कहलाती है। भारत सरकार इस दिशा में सराहनीय भूमिका निभा रही है। इस शिक्षा को प्राप्त करके विद्यार्थी शीघ्र ही अपने पैरों पर खड़ा हो सकता है। प्रतियोगिता के इस दौर में तो इस शिक्षा का महत्त्व और भी बढ़ जाता है। व्यावसायिक शिक्षा में ऐसे कोर्स रखे जाते हैं जिनमें व्यावहारिक प्रशिक्षण **अर्थात्** प्रैक्टिकल ट्रेनिंग पर अधिक ज़ोर दिया जाता है। यह आत्मनिर्भरता के लिए एक बेहतर कदम है। व्यावसायिक शिक्षा के महत्त्व को देखते हुए भारत व राज्य सरकारों ने इसे स्कूल स्तर पर शुरू किया है। निजी संस्थाएँ भी इस क्षेत्र में सराहनीय भूमिका निभा रही हैं। कुछ स्कूलों में तो नौवीं कक्षा से ही व्यावसायिक शिक्षा दी जाती है परन्तु बड़े पैमाने पर इसे ग्यारहवीं कक्षा से शुरू किया गया है। व्यावसायिक शिक्षा का दायरा काफी विस्तृत है। विद्यार्थी अपनी पसन्द व क्षमता के आधार पर विभिन्न व्यावसायिक कोर्सों में प्रवेश ले सकते हैं। कॉमर्स-क्षेत्र में कार्यालय प्रबन्धन, आशुलिपि व कम्प्यूटर एप्लीकेशन, बैंकिंग, लेखापरीक्षण, मार्किटिंग एण्ड सेल्ज़मैनशिप आदि व्यावसायिक कोर्स आते हैं। इंजीनियरिंग क्षेत्र में इलैक्ट्रिकल, इलैक्ट्रॉनिक्स, एयर कंडीशनिंग एन्ड रेफरीजरेशन एवं ऑटोमोबाइल टेक्नॉलोजी आदि व्यावसायिक कोर्स आते हैं। कृषि क्षेत्र में डेयरी उद्योग, बागबानी तथा कुक्कुट (पोल्ट्री) उद्योग से सम्बन्धित व्यावसायिक कोर्स किए जा सकते हैं। गृह-विज्ञान क्षेत्र में स्वास्थ्य, ब्यूटी, फैशन तथा वस्त्र उद्योग आदि व्यावसायिक कोर्स आते हैं। हैल्थ एंड पैरामैडिकल क्षेत्र में मैडिकल लैबोरटरी, एक्स-रे टेक्नॉलोजी एवं हेल्थ केयर साइंस आदि व्यावसायिक कोर्स किए जा सकते हैं। आतिथ्य एवं पर्यटन क्षेत्र में फूड प्रोडक्शन, होटल मैनेजमैंट, टूरिज्म एन्ड ट्रैवल, बेकरी से सम्बन्धित व्यावसायिक कोर्स किए जा सकते हैं। सूचना तकनीक के तहत आई.टी. एप्लीकेशन कोर्स किया जा सकता है। इनके अतिरिक्त पुस्तकालय प्रबन्धन, जीवन बीमा, पत्रकारिता आदि व्यावसायिक कोर्स किए जा सकते हैं।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

प्रश्न 1. व्यावसायिक शिक्षा से आपका क्या अभिप्राय है?

उत्तर - व्यवसाय या रोज़गार पर आधारित शिक्षा व्यावसायिक शिक्षा कहलाती है।

प्रश्न 2. इंजीनियरिंग क्षेत्र में कौन-कौन से व्यावसायिक कोर्स आते हैं?

उत्तर - इंजीनियरिंग क्षेत्र में इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, एयर कंडीशनिंग एंड रेफ्रिजरेशन एवं ऑटोमोबाइल टेक्नोलॉजी आदि व्यवसायिक कोर्स आते हैं।

प्रश्न 3. आतिथ्य एवं पर्यटन क्षेत्र में कौन-कौन से कोर्स किए जा सकते हैं?

उत्तर - आतिथ्य एवं पर्यटन क्षेत्र में फूड प्रोडक्शन, होटल मैनेजमेंट, टूरिज्म एंड ट्रैवल, बेकरी से संबंधित व्यावसायिक कोर्स किए जा सकते हैं।

प्रश्न 4. 'क्षमता' तथा 'विस्तृत' शब्दों के अर्थ लिखिए।

उत्तर - 1) क्षमता - शक्ति 2) विस्तृत - विशाल

प्रश्न 5. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

उत्तर - व्यावसायिक शिक्षा से संबंधित कोर्स।

पाठ - 12
अनुच्छेद-लेखन
मेरी दिनचर्या

दिनचर्या से अभिप्राय है- नित्य किए जाने वाले काम। इन कामों को योजनाबद्ध तरीके से करना चाहिए। मैंने अपनी पढ़ाई, व्यायाम, खेलकूद, मनोरंजन व विश्राम आदि के आधार पर अपनी दिनचर्या बनायी हुई है। इसी के आधार पर मैं दिनभर काम करता हूँ। मेरा स्कूल सुबह आठ बजे लगता है, किन्तु मैं सुबह पाँच बजे उठकर पहले अपने पिता जी के साथ सैर को जाता हूँ। कुछ व्यायाम भी करता हूँ। घर आकर नहा-धोकर थोड़ी देर पढ़ता हूँ क्योंकि इस समय वातावरण में शान्ति होती है तथा दिमाग ताज़ा होता है। नाश्ता करके मैं सुबह स्कूल चला जाता हूँ। स्कूल से छुट्टी के बाद खाना खाकर मैं पहले थोड़ी देर आराम करता हूँ। मुझे फुटबॉल खेलना बहुत अच्छा लगता है। इसलिए मैं शाम को एक घंटा फुटबॉल खेलता हूँ। मैं खेलने के बाद घर आकर स्कूल से मिले होमवर्क को करता हूँ। होमवर्क के बाद मैं कठिन विषयों का अभ्यास भी करता हूँ। इसके बाद लगभग आधा घंटा टेलीविज़न पर अपना मनपसंद चैनल देखता हूँ। फिर खाना खाकर थोड़ी देर सैर भी करता हूँ। तत्पश्चात सरल विषयों का भी अध्ययन करता हूँ। मैं रात को सोने से पहले प्रभु का स्मरण करता हूँ और सो जाता हूँ। इस दिनचर्या से मेरा जीवन नियमित हो गया है।

मेरी पहली हवाई यात्रा

इस बार गर्मियों की छुट्टियों में मेरे माता-पिता ने श्रीनगर जाने का प्रोग्राम बनाया। मेरे पिता जी ने इंटरनेट के माध्यम से 'गो एयर' कंपनी की टिकटें बुक करवा दीं। यात्रा के निर्धारित दिन हम टैक्सी से हवाई अड्डे पर पहुँच गए। हम पूछताछ करके 'गो एयर' कंपनी के काउंटर पर पहुँचे। हमनें अपना सामान चैक करवाया और उन्होंने बताया कि हमारा वह सामान सीधा जहाज़ में रखवा दिया जाएगा। हमें अपने सामान की रसीद और यात्री पास दे दिए गए। सामान जमा करवाकर हम उस ओर बढ़े जहाँ व्यक्तियों के हैंडबैग, मोबाइल, लैपटॉप, कैमरा आदि की चैकिंग की जा रही थी। कम्प्यूटर तकनीक के माध्यम से सामान की चैकिंग देखकर मैं दंग रह गई। पहली हवाई यात्रा का आनन्द उठाने के लिए मैं उत्सुक थी। इसके बाद हम निर्धारित स्थान पर पहुँच गए, हमारी टिकटें चैक हुईं और हम जहाज़ में जा बैठे। जहाज़ में विमान परिचारिकाओं ने हमारा स्वागत किया, हमें सीट बैल्ट बाँधने की हिदायतें दीं और कुछ ही पलों में जहाज़ ने उड़ान भरी और देखते ही देखते वह बादलों के बीच था। इतनी सुखद व रोमांचकारी यात्रा मेरे लिए अविस्मरणीय रहेगी।

मेरे जीवन का लक्ष्य

मैं अब दसवीं कक्षा में पढ़ रहा हूँ। मैंने अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित कर लिया है। मैं बड़ा होकर एक सैनिक बनकर देश की सेवा करना चाहता हूँ। प्राय: अखबारों, रेडियो व टेलीविज़न के माध्यम से पाकिस्तान की ओर से भारत में आतंक फैलाने की घटनाएँ पढ़ने-सुनने को मिलती हैं। बांग्लादेश से भी भारत में घुसपैठ होती रहती है। चीन ने पहले ही भारत का एक बड़ा भू-भाग दबाकर रखा है और अब भी उसकी नीयत भारतीय ज़मीन पर कब्ज़ा करने की रहती है। हमने अंग्रेज़ों से एक लम्बी गुलामी के बाद बड़ी कुर्बानियाँ देकर आज़ादी प्राप्त की है। इसे कायम रखना प्रत्येक भारतवासी का कर्त्तव्य है। मैं अब कभी दोबारा भारत पर कोई भी आँच नहीं आने दूँगा। मुझे खुशी है कि मेरे जीवन के लक्ष्य निर्धारण में मेरा परिवार मेरे साथ है। मेरे मामा जी भी लम्बे समय से फौज में अफसर हैं। उन्होंने भी मुझे काफी प्रेरित किया है। उन्होंने अन्य विषयों के साथ-साथ विशेष रूप से गणित और विज्ञान में अच्छे अंक प्राप्त करने, शरीर को स्वस्थ व फुर्तीला रखने के लिए नियमित रूप से व्यायाम करने तथा जीवन में निडरता व अनुशासन पर बल देने की बात कही है। निस्संदेह रास्ता कठिन है किन्तु मुझे विश्वास है कि आत्मविश्वास, दृढ़ इच्छाशक्ति व मेहनत के सहारे मैं अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लूँगा।

हम घर में सहयोग कैसे करें

जीवन में सहयोग का बहुत महत्त्वपूर्ण स्थान है। हमें सब के साथ सहयोग करना चाहिए। इसका प्रारम्भ घर से करना चाहिए। हमें घर में मिलजुलकर रहना चाहिए। पिता जी मेहनत से रोज़ी-रोटी कमाकर परिवार का पालन पोषण करते हैं। माँ घर के कार्यों जैसे-साफ़-सफ़ाई, खाना बनाना, बर्तन-कपड़े धोना आदि सभी काम करती हैं। इसलिए हमें भी घर के अन्य छोटे-मोटे कार्यों में माता-पिता का हाथ बंटाना चाहिए। हम बाज़ार से दूध, फल, सब्ज़ियाँ आदि लाकर घर में सहयोग दे सकते है। बिजली, पानी और टेलीफ़ोन का बिल समय पर जमा करवा सकते हैं। घर में उचित जगह पर चीज़ों को रखकर, खाना परोसकर, खाने के बाद खाने के टेबल से बर्तन उठाकर रसोईघर में रखकर, छोटे भाई-बहनों को पढ़ाकर हम घर में एक दूसरे को सहयोग दे सकते हैं। घर के छोटे सदस्य बगीचे में लगे पौधों को पानी देकर, इधर-उधर कागज़ न फेंककर तथा खिलौने आदि से खेलने के बाद उन्हें समेटकर सहयोग दे सकते हैं। घर में किसी के बीमार पड़ने पर उसकी दवाई का प्रबन्ध करके तथा उसकी सेवा करके भी हम सहयोग कर सकते हैं। इस प्रकार आपसी सहयोग से घर खुशहाल बन जाएगा।

गाँव का खेल मेला

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हमारे गाँव किशनपुरा में वार्षिक खेल मेले का आयोजन किया गया। इन खेलों में ऊँची कूद, साइकिल दौड़, 100 मीटर, 200 मीटर, कबड्डी, कुश्ती तथा बैलगाड़ियों की दौड़ को शामिल किया गया। सारे गाँव को दुल्हन की तरह सजाया गया था। बच्चे, नौजवान, बूढ़े तथा स्त्रियाँ - सभी गाँव के खेल मेले को बड़े उत्साह से देखने पहुँचे। यह खेल मेला दो दिन तक चला। खेल का उद्घाटन गाँव के सरपंच द्वारा किया गया। उन्होंने खिलाड़ियों से अपील की कि वे लग्न तथा मेहनत से खेलें तथा भविष्य में देश का नाम रोशन करें। पहले दिन ऊँची-कूद, साइकिल दौड़, 100 तथा 200 मीटर खेलों का आयोजन किया गया। दूसरे दिन पहले कुश्ती, कबड्डी तथा साइकिल दौड़ का आयोजन किया गया। कुश्ती व कबड्डी के खेल ने सभी गाँववासियों का मनोरंजन किया। अंत में बैलगाड़ियों की दौड़ ने भी सभी का खूब मनोरंजन किया। इसके बाद 'भंगड़े' ने लोगों को नाचने पर मज़बूर कर दिया। अतिथि द्वारा जीतने वाले खिलाड़ियों को इनाम बाँटे गये। सचमुच, हमारे गाँव का खेल मेला बहुत ही रोचक तथा रोमाँचकारी होता है, जिसकी लोगों को साल भर प्रतीक्षा रहती है।

परीक्षा में अच्छे अंक पाना ही सफलता का मापदंड नहीं

यह ठीक है कि परीक्षा में अच्छे अंक पाने वाले का सभी जगह सम्मान होता है। उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और अच्छे भविष्य के लिए उसका रास्ता आसान हो जाता है। किन्तु सिर्फ यही सफलता का मापदंड नहीं हैं। कम अंक प्राप्त करके भी समाज में प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त किया जा सकता है। अकादमिक क्षेत्र के अलावा अन्य क्षेत्र भी हैं। अपनी रुचियों और क्षमताओं को पहचानकर अपने मनपसंद क्षेत्र में परिश्रम व दृढ़निश्चय के सहारे कूद पड़ने पर अपार सफलता मिल सकती है। स्कूल स्तर पर औसत दर्जे के समझे जाने वाले वैज्ञानिक आइंस्टाइन ने बाद में अद्भुत आविष्कार किए। मुंशी प्रेमचंद ने दसवीं कक्षा द्वितीय श्रेणी में पास की और दो बार फेल होने के बाद इंटरमीडिएट कक्षा पास की। इसके बावजूद भी पूरे विश्व में वे हिंदी के उपन्यास सम्राट के रूप में जाने जाते हैं। सचिन तेंदुलकर, महेन्द्र सिंह धोनी क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन की वजह से जाने जाते हैं न कि अकादमिक तौर पर। इसी तरह अनेक स्वतंत्रता सेनानी, खिलाड़ी, संगीतज्ञ, गायक, अभिनेता, राजनीतिज्ञ, व्यापारी आदि हुए हैं जिन्होंने अकादमिक तौर पर नहीं अपितु अपने-अपने क्षेत्र में अपनी प्रतिभा के बल पर सफलता के शिखर को छुआ है। अत: अंकों की तरफ ध्यान न देकर आशावादी दृष्टिकोण अपनाते हुए दृढ़ता के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

भ्रमण: ज्ञान वृद्धि का साधन

पाठ्य-पुस्तकें, अखबारें, मैगज़ीनें पढ़कर ज्ञानार्जन किया जा सकता है। रेडियो को सुनकर व टेलीविज़न पर देश-विदेश की झलकियों के बारे में सुनकर-देखकर ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है, किन्तु भ्रमण आनन्द के साथ-साथ ज्ञान वृद्धि का अनुपम साधन है। भ्रमण का महत्त्व इस बात से भी लगाया जा सकता है कि पुस्तकों आदि में जो ज्ञान दिया गया है वह इतिहासकारों, विद्वानों, वैज्ञानिकों, खोजकर्त्ताओं व महापुरुषों के भ्रमण का ही परिणाम है। ऐतिहासिक व धार्मिक स्थानों का भ्रमण करके जो मन को शांति, सौन्दर्यानुभूति व ज्ञान मिलता है वह केवल किताबें पढ़ने पर नहीं हो सकता। इसी प्रकार ऊँचे-ऊँचे पर्वतों, नदियों, झीलों, झरनों, वनों, समुद्रों आदि पर भ्रमण करके ही प्राकृतिक सुंदरता का आनन्द व ज्ञान लिया जा सकता है। ऐसा ज्ञान सुनने-पढ़ने की अपेक्षा अधिक जीवंत होता है। भ्रमण करने से आत्मविश्वास बढ़ता है। अन्य स्थानों पर भ्रमण की उत्सुकता बढ़ती है। उत्सुकता तो ज्ञान- -वृद्धि की मुख्य सीढ़ी है। निस्संदेह, भ्रमण के बिना तो ज्ञान अधूरा ही कहा जाएगा।

प्रकृति का वरदान: पेड़-पौधे

ईश्वर ने सम्पूर्ण जगत के प्राणियों को अनेक अमूल्य उपहार दिए हैं जिनमें से पेड़-पौधे मुख्य हैं। सचमुच, ये हमारे लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। इनका हमारे जीवन में महत्त्वपूर्ण स्थान है। पेड़ दुर्गन्ध लेते हैं और सुगन्ध लौटाते हैं **अर्थात्** ये कार्बन डाईऑक्साइड ग्रहण करके हमें ऑक्सीजन देते हैं। ये सूर्य की गर्मी को स्वयं सहन करके हमें छाया प्रदान करते हैं, इसलिए ये परोपकारी हैं। इनसे हमें फल और फूल, ईंधन, गोंद, रबड़, फर्नीचर की लकड़ी, कागज़ आदि मिलते हैं। पेड़ पौधों से वातावरण शुद्ध बनता है तथा भूमि की उर्वरता बढ़ती है क्योंकि इनकी पत्तियाँ खाद बनाने के काम आती हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी इनकी अहम भूमिका है। पेड़ों के पत्तों, जड़ों, फलों, फूलों तथा छाल आदि से कई प्रकार की दवाइयाँ बनती हैं। धार्मिक दृष्टि से तो पेड़ों का बहुत महत्त्व है। ऐसे भी कई पेड़ पौधे हैं जिन्हें पूजा जाता है जैसे-तुलसी, पीपल, केला, बरगद, आम आदि। पेड़ों का सम्बन्ध रोज़गार से भी जुड़ा है। पेड़ों से लोग टोकरियाँ, बैग, चटाइयाँ, पेंसिलें, फर्नीचर आदि बनाकर अपना रोज़गार करते हैं। अत: पेड़-पौधों का इतना महत्त्व होने पर इनका संरक्षण करना चाहिए। ये हमें लाभ ही देंगे। कहा भी है-पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ।

अपने नये घर में प्रवेश

हम कुछ समय पहले किराए के मकान में रह रहे थे, किन्तु मेरे पिता जी ने एक प्लॉट खरीद लिया था। हम वहाँ पिछले डेढ़ साल से नया घर बनवाने में जुटे थे। पिछले सप्ताह नया घर बनकर तैयार हो गया था। नए घर के अनुरूप नए पर्दे, नया फर्नीचर खरीदना स्वाभाविक ही था। मेरे पिता जी ने मेरे और मेरी बहन के लिए पढ़ाई करने का एक कमरा अलग से बनवाया था। उन्होंने हमारे पढ़ने वाले कमरे के लिए स्टडी टेबल, कुर्सियाँ और दो छोटी-छोटी अलमारियाँ बनवायी थीं। उस घर में प्रवेश करने के लिए घर का प्रत्येक सदस्य उत्सुक था। नए स्टडी रूम की बात सोचकर तो मैं रोमांचित हो जाता था। रविवार को गृह-प्रवेश था। हमने अपने सभी रिश्तेदारों, मित्रों को गृह प्रवेश के अवसर पर सादर आमंत्रित किया था। इस अवसर पर पूजा का विधान होता है अतः ठीक आठ बजे पूजा शुरू हो गयी। पूजा में सभी शामिल हुए। पिता जी ने पूजा के बाद दोपहर के भोजन का बढ़िया प्रबन्ध किया हुआ था। सभी ने भोजन किया और हमें नए घर में प्रवेश पर बहुत-बहुत बधाइयाँ दीं। हमने सभी का धन्यवाद किया। सचमुच, नए घर में प्रवेश करके सारे परिवार की खुशी का ठिकाना न था।

कैरियर चुनाव में स्वमूल्यांकन

किसी भी किशोर के लिए कैरियर का चुनाव करना एक चुनौती होती है। दसवीं कक्षा में रहते या दसवीं कक्षा के तुरन्त बाद कैरियर का चुनाव करना आज की माँग है। वैसे तो इससे भी पहले ही कुछ सजग विद्यार्थी यह तय कर लेते हैं कि उन्हें जीवन में किस दिशा की ओर जाना है। इसके लिए किशोर को अपना मूल्यांकन स्वयं करना होगा। सबसे पहले उसे विभिन्न तरह के कैरियर की जानकारी रखनी होगी तभी वह उनमें से अपनी क्षमता, रुचि और आर्थिक स्थिति आदि के आधार पर कैरियर का चुनाव कर सकेगा। इसके लिए समाचार-पत्रों, मैगज़ीनों, रेडियो, टेलीविज़न से पढ़-सुन- देखकर अथवा कैरियर प्रदर्शनियों में जाकर अपना ज्ञान बढ़ा सकता है। उसे उन गतिविधियों की ओर ध्यान बनाए रखना होगा जिनमें वह अधिक रुचि रखता है। क्या पता कौन-सी गतिविधि उसे उसकी मंजिल तक ले जाए। उसे अपना ध्येय, ध्येय को प्राप्त करने की योजना, समय आदि की तरफ भी बराबर देखना होगा। उसे अपनी कमज़ोरियों से निपटने की हर संभव कोशिश करनी होगी तथा खाली समय का सदुपयोग करना होगा। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए, अपने आत्मविश्वास को बनाए रखते हुए उसे सही कैरियर का चुनाव करना होगा तभी वह अपने जीवन को सुखकर बना सकता है।

विद्यार्थी और अनुशासन

अनु+शासन के मेल से बना है - अनुशासन । 'अनु' **अर्थात्** पीछे या साथ और शासन का अर्थ है-नियम, विधि अथवा नियंत्रण आदि। अतः अनुशासन का अर्थ है शासन के बनाए नियमों पर चलना। विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का बहुत महत्त्व है। विद्यार्थी जीवन व्यक्ति के सम्पूर्ण जीवन की नींव है। आज के विद्यार्थी कल के नेता हैं। विद्यार्थी को श्रेणियों में पास होने पर डिग्रियाँ देने से ही शिक्षा पूर्ण नहीं हो जाती अपितु इनके साथ-साथ विद्यार्थी को अनुशासित बनाना भी शिक्षा का उद्देश्य है। उनमें अनुशासन को इस तरह विकसित करना चाहिए कि वे उसे जीवन का अभिन्न अंग मानें। विद्यालय के नियमों का पालन करना, कक्षा में शांतिपूर्वक बैठकर अध्यापकों द्वारा पढ़ाए जा रहे पाठ को ध्यानपूर्वक सुनना, समय का सदुपयोग करना, पुस्तकालय में चुपचाप बैठकर पढ़ना आदि बातें विद्यार्थी के अनुशासन पालन के अंतर्गत आती हैं। विद्यार्थी को कभी भी अनुशासनहीनता का मार्ग नहीं अपनाना चाहिए क्योंकि एक अनुशासित विद्यार्थी ही एक अच्छा नागरिक बनकर देश के विकास में अपना योगदान दे सकता है।

कोचिंग संस्थानों का बढ़ता जंजाल

आज के दौर में इंजीनियरिंग, मेडिकल, सेना, कानून, होटल मैनेजमैंट, प्रशासनिक सेवाओं आदि कोर्सों में प्रवेश पाने हेतु प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है। इन परीक्षाओं में निर्धारित सीटों की उपलब्धता को देखते हुए मैरिट के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। इन परीक्षाओं की तैयारी करवाने के लिए आज जगह-जगह कोचिंग संस्थानों की बाढ़ आ गयी है। ये संस्थान हज़ारों लाखों की फीस ऐंठकर विद्यार्थियों को सातवीं-आठवीं कक्षा से ही पाठ्यक्रम की परीक्षा के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की भी कोचिंग देते हैं। इससे विद्यार्थी पर बोझ बढ़ता है। यदि देखा जाए तो जब ये संस्थान नहीं थे तब भी विद्यार्थी अपने अध्यापकों से शिक्षा ग्रहण करके व स्वाध्ययन से उपर्युक्त क्षेत्रों में प्रवेश पाते थे। आज ऐसे उदाहरण भी सामने आते हैं जिनमें अभावग्रस्त परिवारों के विद्यार्थी भी इन संस्थानों में कोचिंग लिए बिना प्रतियोगी परीक्षाओं में अच्छी मैरिट प्राप्त करते हैं। हमें अपनी मानसिकता बदलनी होगी। इसके अतिरिक्त पाठ्यक्रम व प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों में अधिक अंतर नहीं होना चाहिए। संभवत: स्कूलों/कॉलेजों में ही इन प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए।

मैंने लोहड़ी का त्योहार कैसे मनाया ?

इस वर्ष मैंने अपने मित्रों के साथ मिलकर लोहड़ी का त्योहार मनाया। हमने सभी मुहल्ले वालों को इकट्ठे लोहड़ी मनाने के लिए मनाया। हरेक घर से सौ-सौ रुपये इकट्ठे किए गए। हमने लोहड़ी से तीन-चार दिन पहले ही लोहड़ी की तैयारियाँ शुरू कर दीं। सभी ने कोई न कोई ज़िम्मेवारी ली। कुछ मित्र लकड़ियाँ और उपले खरीदने चले गये तो कुछ तिल, रेवड़ियाँ, गचक, मूँगफली खरीदने चले गये। मैंने सभी के लिए कॉफी का प्रबन्ध किया। लोहड़ी वाले दिन शाम को लकड़ियों का ढेर बनाकर उनमें अग्नि प्रज्वलित की गयी। सभी ने उन जलती हुई लकड़ियों की परिक्रमा की तथा माथा टेका। चारों ओर एकता तथा भाईचारे का वातावरण बन गया था। हमने सभी को मूँगफली, गचक, रेवड़ियाँ और कॉफी दी। इतने में ढोल वाले ने ढोल बजाना शुरू कर दिया। सभी लड़कों ने भँगड़ा डाला। मुहल्ले के लोग हमारे द्वारा किए गए प्रबन्ध से बहुत खुश थे। हमें लोगों ने अगले वर्ष फिर इसी तरह लोहड़ी मनाने के लिए आग्रह किया। इस तरह सभी हँसी-खुशी अपने-अपने घरों को लौट गए। सचमुच, मुझे अपने मुहल्ले के सभी लोगों द्वारा एक साथ मिलकर लोहड़ी मनाना आज भी याद है।

जनसंचार के माध्यम

प्रत्यक्ष रूप से अपनी बात दूसरों को कहने की अपेक्षा समाज के हर वर्ग के साथ संवाद स्थापित करना जन सम्पर्क या जनसंचार कहलाता है। प्राचीन समय में विचारों, सूचनाओं व आदेशों को शिलालेख, भोजपत्र, मुनादी आदि के द्वारा लोगों तक पहुँचाया जाता था। लाउडस्पीकर के माध्यम से भी संदेश पहुँचाया जाता रहा है। समय के साथ-साथ तकनीकी विकास होने पर संचार के साधन भी आधुनिक हो गए हैं। आज समाचार पत्र, मैगज़ीनें, रेडियो, टेलीविज़न, सिनेमा, इंटरनेट तथा मोबाइल जनसंचार के सशक्त माध्यम हैं। इनका शिक्षा, कला, व्यवसाय, मनोरंजन, व्यापार, राजनीति आदि क्षेत्रों में अद्‌भुत योगदान है। समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेष रूप से युवा वर्ग, पर तो इसका बहुत गहरा प्रभाव पड़ा है। उसके रहन-सहन, बोलचाल, वेशभूषा तथा व्यवहार आदि पर भी गहरा असर पड़ा है। किन्तु समाज पर इनकी अधिकता व नई-नई तकनीकों के कारण मानव की मानसिक शाँति को भी भंग किया है। इसके अतिरिक्त ड्रग्स, हिंसा, हत्याएँ व साइबर क्राइम भी बढ़ रहे हैं। अब समाज को तय करना है कि वह इनका सदुपयोग करेगा अथवा दुरुपयोग करेगा।

भ्रूण-हत्या : एक जघन्य अपराध

भारत पूरे विश्व में अहिंसा, शिक्षा, शांति, धर्म और सद्भावना के लिए जाना जाता है किन्तु कन्या-भ्रूण-हत्या जैसे अनैतिक एवं अमानवीय कुकृत्य से इस देश की महानता खंडित हुई है। विज्ञान की अल्ट्रासाउंड तकनीक ने जन्म से पूर्व ही भ्रूण-लिंग की जानकारी देकर कन्या भ्रूण हत्या को बढ़ावा दिया है। खेद की बात तो यह है कि अशिक्षित व गरीब लोगों के साथ-साथ शिक्षित व सम्पन्न वर्ग भी इस कुकृत्य में संलिप्त है। आज भी अधिकांश लोग कन्या के जन्म पर शोक मनाते हैं या उसके जन्म से संतुष्ट नहीं होते हैं। एक तरफ़ तो लोग नवरात्रों में बालिकाओं का पूजन करते हैं पर दूसरी ओर कन्या-भ्रूण-हत्या को अंजाम देकर दोहरे व्यक्तित्व को दर्शाते हैं। लोगों को यही लगता है कि पुत्र ही वंश को आगे बढ़ाता है और बुढ़ापे का सहारा है जबकि सच यह है कि लड़की शादी के बाद दोनों कुलों को रोशन करती है। भ्रूण-हत्या अनैतिक ही नहीं अपितु एक अपराध भी है। इस अपराध से निपटने के लिए सरकार ने सख्त कानून भी बनाए हैं लेकिन केवल कानून बना देना ही समस्या का समाधान नहीं है। लोगों को अपनी सोच बदलनी होगी जो कन्या भ्रूण हत्या को रोकने में मील का पत्थर साबित होगी।

पाठ - 13 (पत्र - लेखन)

1.'डाटा एन्ट्री ऑपरेटर' पद पर नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र लिखिए।

सेवा में
प्रिंसिपल
सेवा सदन हाई स्कूल
दिल्ली।

विषय: 'डाटा एन्ट्री ऑपरेटर' के पद के लिए आवेदन पत्र।

महोदय,

मुझे 'दैनिक समाचार पत्र' दिल्ली में दिनांक 07 मार्च, 2022 को छपे विज्ञापन को पढ़कर पता चला कि आपके स्कूल में 'डाटा एन्ट्री ऑपरेटर' के तीन पद खाली हैं। मैं स्वयं को इस पद के लिए प्रस्तुत कर रहा हूँ। मेरा परिचय तथा शैक्षिक योग्यताएं इस प्रकार हैं :

सामान्य परिचय

1. नाम	:	अरविन्द कुमार
2. पिता का नाम	:	श्री रोहित कुमार
3. माता का नाम	:	श्रीमती रीटा देवी

4. पिता का व्यवसाय : दुकानदार
5. माता का व्यवसाय : कामकाजी महिला
6. परिवार की कुल आमदनी : 3,00,000/- वार्षिक
7. आयु : 26 वर्ष
8. जन्म तिथि : 06.07.1995
9. पता (स्थायी) : मकान नम्बर -125, मयूर विहार, पानीपत (हरियाणा)
(पत्र व्यवहार के लिए पता) : उपर्युक्त

शैक्षिक जानकारी

क्रम संख्या	उत्तीर्ण की गई कक्षा	वर्ष	बोर्ड/संस्था	पढ़े गए विषय	प्राप्त अंक	कुल अंक	पास प्रतिशत
1.	आठवीं	2010	हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड भिवानी	अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक शिक्षा, हिंदी, कम्प्यूटर शिक्षा, संगीत	560	800	70%
2.	दसवीं	2011	हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड, भिवानी	अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक शिक्षा, हिंदी, कम्प्यूटर शिक्षा, संगीत	620	800	77.5%
3.	कम्प्यूटर में डिप्लोमा	2013	नेशनल कम्प्यूटर सेंटर	कार्यालय प्रबंधन	375	500	75%

अनुभव **:** 'सूर्या विज्ञापन कम्पनी' दिल्ली में गत एक वर्ष से 'डाटा एन्ट्री ऑपरेटर' के पद पर कार्यरत।
भवदीय
अरविन्द कुमार
(अरविन्द कुमार)
मकान नम्बर : 125, मयूर विहार, पानीपत,
हरियाणा
मोबाइल नम्बर: 1665432144
ई-मेल पता : arvindkumar455@gmail.com

2) अपनी गलती के लिए क्षमा याचना करते हुए अपने स्कूल के प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र लिखिए।

सेवा में
प्रधानाचार्य
बाल विकास विद्यालय
हैदराबाद।
दिनांक: 12.08.2022
विषय**:** क्षमा याचना के लिए प्रार्थना पत्र।
मानीय महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय में दसवीं कक्षा का विद्यार्थी हूँ। मुझसे एक गलती हुई है जिसके लिए मैं आपसे क्षमा माँगना चाहता हूँ।

मैंने आज लाइब्रेरी के पीरियड में चोरी से एक किताब से दो पन्ने फाड़ लिए थे। मेरी इस धृष्टता को अध्यापक ने देख लिया। मेरी चोरी पकड़ी गयी। अब मैं बहुत ही शर्मिंदा हूँ। यह मेरी पहली गलती है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मैं भविष्य में कभी ऐसी गलती नहीं करूँगा।

कृपया मेरी इस गलती को माफ कर दीजिए। मैं आपका अति आभारी रहूँगा।

आपका आज्ञाकारी शिष्य
शिशुपाल सिंह
(शिशुपाल सिंह)
कक्षा-दसवीं-ए
रोल नम्बर-13

3) विषय बदलने के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्या को पत्र लिखिए।

सेवा में
प्रधानाचार्य
उत्थान पब्लिक स्कूल
चंडीगढ़ ।
दिनांक: 17.09.2022
विषय: विषय बदलने के लिए प्रार्थना पत्र
माननीय महोदया,

सविनय निवेदन यह है कि मैं दसवीं-सी कक्षा का विद्यार्थी हूँ। मैं लिए गए विषयों में से एक विषय बदलना चाहता हूँ।

इस कक्षा के लिए प्रवेश फार्म भरते समय मैंने 'चित्रकला' विषय को चुना था किन्तु अब मुझे इस विषय को पढ़ते समय कठिनाई हो रही है। मैं इस विषय के स्थान पर 'खेतीबाड़ी' विषय पढ़ना चाहता हूँ। मेरी खेतीबाड़ी में बहुत रुचि है।

अतः आपसे विनती है कि मुझे कृपया विषय परिवर्तन की आज्ञा दी जाए। इस कृपा के लिए मैं आपका बहुत आभारी रहूँगा।

आपका आज्ञाकारी शिष्य
नीरज वर्मा
(नीरज वर्मा)
कक्षा दसवीं-सी
रोल नम्बर- 08

4) कक्षा की समस्याओं को हल करवाने के सम्बन्ध में अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र लिखिए।

सेवा में
प्रधानाचार्य
सरकारी हाई स्कूल
मेरठ।
दिनांक: 23.05.2022
विषय: कक्षा की समस्याओं को हल करवाने हेतु प्रार्थना पत्र।
माननीय महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं दसवीं कक्षा का मॉनीटर होने के नाते आपका ध्यान अपनी कक्षा की कुछ समस्याओं की ओर दिलाना चाहता हूँ। हमारी कक्षा में दो पंखे लगे हुए हैं जिनमें से केवल एक ही पंखा चलता है। अन्य कक्षाओं में चार-चार पंखे लगे हुए हैं। आजकल गर्मी इतनी बढ़ गयी है कि एक पंखे के सहारे सारी कक्षा का कमरे में बैठना दूभर हो गया है। इसके अतिरिक्त ब्लैक-बोर्ड की मरम्मत व पेंट होने वाला है तथा तीन ट्यूब लाइट्स फ़्यूज होने के कारण नयी लगने वाली हैं।

अतः आपसे विनती की जाती है कि हमारी कक्षा की इन समस्याओं को हल करवाने की ओर ध्यान दीजिए। हमारी सारी कक्षा आपकी बहुत आभारी रहेगी।

आपका आज्ञाकारी शिष्य
गोविन्द शर्मा
(गोविन्द शर्मा)
मॉनीटर
कक्षा-दसवीं-बी
रोल नम्बर-25

5) नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखकर उनसे अपने क्षेत्र/मुहल्ले की सफाई कराने के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए।

सेवा में
स्वास्थ्य अधिकारी
नगर निगम
सुंदर नगर।
दिनांक: 11.08.2022
विषय**:** सुन्दर नगर की सफ़ाई कराने के लिए प्रार्थना पत्र ।
माननीय महोदय,
मैं आपका ध्यान सुन्दर नगर में जगह-जगह फैली गंदगी की ओर दिलाना चाहता हूँ।

मैं सुन्दर नगर का निवासी हूँ। मुझे यह लिखते हुए बड़ा ही अफसोस हो रहा है कि हमारे क्षेत्र का नाम ही सुन्दर नगर है जबकि सत्य यह है कि सुन्दरता तो इससे कोसों दूर है। इस क्षेत्र के चारों ओर गंदगी फैली हुई है। यहाँ कूड़ाघर से कूड़ा उठाने वाली गाड़ी नियमित रूप से नहीं आती जिसके कारण कूड़ा इकट्ठा होता रहता है। इससे चारों ओर दूर-दूर तक दुर्गन्ध फैल गई है। मक्खी-मच्छर इतने हो गए हैं कि मलेरिया और डेंगू का प्रकोप बढ़ गया है। इस कूड़ाघर को कुत्तों, सूअरों, गायों, भैंसों आदि ने अपना अड्डा बना रखा है। दुर्गन्ध के साथ-साथ इन जानवरों

hindipunjab.com

के डर के कारण राहगीरों का चलना-फिरना भी दूभर हो गया है। यहाँ के निवासियों ने कई बार सफ़ाई कर्मचारियों से भी बात की है किन्तु उनके कान पर जूँ तक नहीं रेंगती।

अतः मैं सुन्दर नगर का प्रतिनिधि होने के नाते आपसे अनुरोध करता हूँ कि जल्दी से जल्दी इस क्षेत्र में सफाई अभियान चलाकर लोगों को इस गंदगी भरे वातावरण से मुक्त करें।

मैं आशा करता हूँ कि आप इस सम्बन्ध में शीघ्र ही कार्यवाही करेंगे।

धन्यवाद सहित।

चंपक लाल

(चंपक लाल)

मकान नम्बर- 45

सुन्दर नगर

मोबाइल: 1666868684

champaklal@yahoo.co.in

6) पंजाब रोडवेज, लुधियाना के महाप्रबन्धक को बस में छूट गए सामान के बारे में आवेदन पत्र लिखिए।

सेवा में

महाप्रबन्धक

पंजाब रोडवेज

लुधियाना।

दिनांक: 11.08.2022

विषय: बस में छूट गए सामान के बारे में आवेदन पत्र ।

मान्यवर,

सविनय निवेदन यह है कि मैंने दिनांक 10 अगस्त, 2022 को शाम 6.00 बजे समराला से पी. बी. 2468 नम्बर की पंजाब रोडवेज़, लुधियाना की बस चंडीगढ़ जाने के लिए पकड़ी थी। उस समय बस में काफ़ी भीड़ थी, अतः मुझे खड़े होकर ही सफ़र करना पड़ा। मैंने अपना बैग उस समय बस में सामान रखने वाली जगह पर ऊपर रख दिया था। जब चंडीगढ़ का बस अड्डा आया तो मैं अपना बैग लिए बिना ही नीचे उतर गया। जब मैं घर पहुँचा तो मुझे याद आया कि मैं अपना बैग बस में हो भूल आया हूँ। मैंने उसी समय पंजाब रोडवेज, लुधियाना के कार्यालय में इस सम्बन्ध में फ़ोन भी किया था, किन्तु मुझे कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिला। मुझे ऐसा लगता है कि मेरा बैग तो बस के परिचालक ने आपके पास जमा करवा दिया होगा।

मैं यहाँ बताना चाहता हूँ कि मेरे बैग का रंग नीला है। उसके अन्दर बनी जेब में मेरी तस्वीर भी पड़ी हुई है। इसके अतिरिक्त मेरा पहचान पत्र तथा कुछ ज़रूरी कागज़ात भी पड़े हुए हैं।

मैं आशा करता हूँ कि आप मेरे बैग का जल्दी से जल्दी पता लगाकर मुझे सूचित करेंगे।

धन्यवाद सहित।

राम प्रकाश

(राम प्रकाश)

मकान नम्बर 7467

सेक्टर-48

चंडीगढ़।

मोबाइल 1765498056 Piyushpatnayak@yahoo.co.in

7) कार्यकारी अधिकारी, विद्युत बोर्ड के नाम बिजली की सप्लाई में कमी के सम्बन्ध में आवेदन पत्र लिखिए।

सेवा में

कार्यकारी अधिकारी

विद्युत बोर्ड

विकास नगर ।

दिनांक: 26.10.2022

विषय: बिजली की सप्लाई में कमी के सम्बन्ध में आवेदन पत्र ।

माननीय महोदय,

मैं आपका ध्यान विकास नगर में बिजली की सप्लाई में कमी की ओर दिलाना चाहती हूँ।

मैं विकास नगर की निवासी हूँ। इस क्षेत्र में बिजली की बहुत ही कम सप्लाई की जाती है जिसके कारण यहाँ के लोगों को बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ता है। आजकल भयंकर गर्मी ने भी विकराल रूप धारण किया हुआ है। छोटे-छोटे बच्चों, बीमारों और वृद्धों के लिए तो बिना बिजली के रहना असह्य हो गया है। विद्यार्थी वर्ग के लिए तो बिजली की कम सप्लाई सिर दर्द बनी हुई है। दिन हो या रात, बिजली कभी आती है और कभी चली जाती है। इस तरह सारा दिन बिजली के साथ हमारा आँख-मिचौनी का सिलसिला चलता रहता है। कभी-कभी तो दिन में सिर्फ दो घंटे ही बिजली आती है। बिजली की इस कमी के कारण हमारी पढ़ाई पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

यहाँ यह भी बताने की चेष्टा की जा रही है कि हमारे आस-पास के क्षेत्रों में बिजली की बिल्कुल कमी नहीं है। अतः आपसे अनुरोध है कि यदि कहीं कोई खराबी है तो उसे तुरन्त ठीक करवाने की कृपा करें।

मैं आशा करती हूँ कि आप इस सम्बन्ध में शीघ्र ही कार्यवाही करेंगे।

धन्यवाद सहित।
हर्षिता
(हर्षिता)
मकान नम्बर-78
विकास नगर।
मोबाइल: 2656487581
harshita567@yahoo.co.in

8. ' रोज़ाना भारत', पंजाब के समाचार पत्र के मुख्य सम्पादक के नाम 'बालश्रम एक अपराध' विषय पर एक पत्र लिखिए।
सेवा में
मुख्य सम्पादक
'रोज़ाना भारत'
पंजाब।
दिनांक: 23.11.2022
विषय: 'बालश्रम: एक अपराध'।
मान्यवर,

मैं आपके लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र 'रोज़ाना भारत' के माध्यम से 'बालश्रम एक अपराध' विषय पर जनता का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूँ।

यद्यपि बालश्रम को भारत सरकार द्वारा एक अपराध घोषित किया गया है, फिर भी हमारे इर्द-गिर्द ढाबों, कैन्टीनों, घरों, दुकानों, मोटर गैरजों, रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंडों आदि पर न जाने कितने ही ऐसे बच्चे बालश्रम में नियुक्त हैं जिनकी आयु अभी पढ़ने की है। जहाँ एक ओर इन्हें इनके काम की पूरी मज़दूरी नहीं मिलती वहीं दूसरी ओर इनका शोषण भी किया जाता है। मैं यहाँ यह भी बताना चाहती हूँ कि पढ़े-लिखे व आर्थिक रूप से सशक्त लोगों के द्वारा भी घर के छोटे-मोटे कामों और बच्चों की देख-रेख आदि के लिए इन बाल श्रमिकों को ही घरों में रखा जाता है। यदि इस तरह पढ़े-लिखे लोग ही बालश्रम जैसे सामाजिक कलंक में संलिप्त रहेंगे तो दूसरों से क्या अपेक्षा की जा सकती है?

सरकार द्वारा बालश्रम (निषेध व नियमन) अधिनियम 1986 एवं अन्य कई कानूनों को बनाकर, उनमें समय-समय पर आवश्यकतानुसार संशोधन किया जाता है किन्तु कानून बनाने के साथ-साथ उसका कठोरता से पालन करना भी ज़रूरी है। कुछ सतर्क नागरिकों, पत्रकारों, समाज-सुधारकों, बाल संरक्षण समितियों के द्वारा बालश्रम के विरुद्ध आवाज़ उठायी भी जाती है, लोगों को जागरूक भी किया जाता है किन्तु जब तक सभी नागरिक सरकार के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर नहीं चलेंगे तब तक इसमें सफलता नहीं मिल सकती। मैं आपके इस पत्र के माध्यम से आगे यह कहना चाहती हूँ कि जो भी सरकार के द्वारा बनाए गए बालश्रम के बनाए कानूनों को तोड़ता है,उसके साथ कठोरता से निपटा जाए।

आपके समाचार पत्र के माध्यम से मैं यह आशा करती हूँ कि सम्बन्धित अधिकारी इस ओर उचित कदम उठाएंगे व जनता उनका साथ देगी।
धन्यवाद सहित।
विनीता शर्मा
(विनीता शर्मा)
मकान नम्बर- 145, सेक्टर-18, पानीपत
मोबाइल नम्बर- 1876543981

9) दिल्ली के समाचार पत्र 'आज की बात' के मुख्य सम्पादक के नाम पत्र लिखकर आपके क्षेत्र में चल रही जुआखोरी की जानकारी दीजिए।
सेवा में
मुख्य सम्पादक
आज की बात
दिल्ली।
दिनांक: 23.11.2022
विषय**:** जुआखोरी सम्बन्धी
मान्यवर,

मैं आपके लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र 'आज की बात' के माध्यम से प्रभात नगर में चल रही जुआखोरी की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूँ।

पिछले कई महीनों से हमारे प्रभात नगर के कुछ गली-कोनों में जुआ खेलने के अड्डे बन गये हैं। जब इस नगर के कुछ ज़िम्मेदार लोगों द्वारा जुआ खेलने वालों को जुआ खेलने के लिए मना किया जाता है तो वे उनके साथ लड़ाई-झगड़ा करने लगते हैं। बड़े ही अफ़सोस की बात है कि जुआ खेलने वालों में बुज़ुर्ग भी शामिल होते हैं। इनकी देखादेखी नौजवान भी जुआ खेलने में लगे रहते हैं। प्रत्येक शाम जुआ खेलने के बाद हारने वाले जीतने वालों के साथ लड़ाई झगड़ा करते हैं तथा एक दूसरे को अपशब्द बोलते हैं। भद्र लोगों का वहाँ से गुज़रना मुश्किल हो गया है। इन सब बातों की सूचना क्षेत्रीय थानाध्यक्ष को भी कई बार की जा चुकी है किन्तु कोई लाभ नहीं हुआ अपितु ये जुए के अड्डे धड़ल्ले से चल रहे हैं।

मैं आपके पत्र के माध्यम से पुलिस के उच्च अधिकारियों से अनुरोध करता हूँ कि वे लगातार हमारे क्षेत्र में चक्कर लगाएँ। उन्हें जहाँ कहीं भी जुआ खेलने वाले मिलें, उनके खिलाफ कठोर से कठोर कार्यवाही करें जिससे निःसंदेह इस सामाजिक बुराई का नाश हो।
सधन्यवाद।
शमशेर सिंह
(शमशेर सिंह)
मकान नम्बर-2343
प्रभात नगर
मोबाइल नम्बर- 1648765990

10) व्यापारी वर्ग तथा विभिन्न संगठनों द्वारा घरों, शैक्षिक संस्थानों/कार्यालयों, मार्गदर्शकों आदि पर पोस्टर/पम्फलैट्स लगाने से जनता को होने वाली असुविधा पर अपने विचार प्रकट करते हुए 'लोक जागरण' नामक समाचार पत्र के मुख्य सम्पादक को पत्र लिखिए।
सेवा में
मुख्य सम्पादक
'लोक जागरण'
राजस्थान।
दिनांक: 08.12.2022
विषय**:** घरों, शैक्षिक संस्थानों/कार्यालयों, मार्गदर्शकों आदि पर पोस्टर लगाकर जनता को होने वाली असुविधा के सम्बन्ध में पत्र।
मान्यवर,
मैं आपके लोकप्रिय समाचार पत्र 'लोक जागरण' के माध्यम से घरों, शैक्षिक संस्थानों/कार्यालयों, मार्गदर्शकों आदि पर पोस्टर लगाने से जनता को होने वाली असुविधाओं की ओर प्रशासन का ध्यान दिलाना चाहता हूँ।
व्यापारी वर्ग अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए विभिन्न बड़े-बड़े पोस्टरों को घरों, शैक्षिक संस्थानों/ कार्यालयों, मार्गदर्शकों आदि पर चिपका देते हैं। इसी तरह कुछ संगठन खेल प्रतियोगिताओं, धार्मिक कार्यक्रमों या अन्य किसी भी तरह के कार्यक्रम से सम्बन्धित पोस्टर चिपका देते हैं। इससे दीवारें खराब होती हैं। इनके अतिरिक्त ट्यूशन/कोचिंग सेंटरों, ब्यूटिशनों, हकीमों आदि के द्वारा भी पोस्टरों या पम्फलैट्स को बड़ी शान से मार्गदर्शकों के ऊपर चिपका दिया जाता है, जिससे लोगों को स्थान ढूँढ़ने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। हैरानी की बात है कि जो मार्गदर्शक लोगों की सहूलियत के लिए बने होते हैं, उन्हीं के ऊपर लोगों द्वारा पोस्टर चिपका दिये जाते हैं।
अतएव मैं आपके पत्र के माध्यम से प्रशासन से अनुरोध करता हूँ कि इस तरह जगह-जगह पोस्टर लगाने पर प्रतिबन्ध लगाया जाए। यदि पोस्टर लगाने का स्थान निर्धारित कर दिया जाए तो सम्भवतः इस समस्या का निवारण हो सकता है। फिर भी जो इस नियम का पालन नहीं करता तो उसे जुर्माना लगाना चाहिए।
आशा है कि प्रशासन व जनता इस ओर ध्यान देगी।
सधन्यवाद।
दीदार सिंह
(दीदार सिंह)
देवीगढ़।
मोबाइल नम्बर-1645890800.
11. 'जन चेतना' मुम्बई के समाचार पत्र के मुख्य सम्पादक के नाम सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए दुर्घटनाओं को रोकने के सुझाव सम्बन्धी एक पत्र लिखिए।
सेवा में
मुख्य सम्पादक
'जन चेतना'
मुम्बई।
दिनांक: 26.12.2022
विषय: सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए दुर्घटनाओं को रोकने के सुझाव सम्बन्धी पत्र।
मान्यवर,

मैं आपके लोकप्रिय समाचारपत्र 'जन चेतना' के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए दुर्घटनाओं को रोकने के सुझाव देना चाहता हूँ।
आजकल सड़क दुर्घटनाओं में निरंतर वृद्धि हो रही है। सड़कों पर आम आदमी का चलना दूभर हो गया है। नकली लाइसेंस धारकों, अप्रशिक्षित वाहन चालकों तथा नशेड़ियों के द्वारा खतरनाक व बिना यातायात के नियमों का पालन किए जाने पर सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। कई बार अधूरे कागज़ात होने के कारण वाहन-चालक चालान के डर से तेज़ी से बच निकलने के कारण भी दुर्घटना का शिकार हो जाता है। ट्रकों, ट्रालियों, रेहड़ियों आदि पर अनुचित ढंग से जरूरत से अधिक लादा गया सामान तो अक्सर दुर्घटना का कारण बनता है। इसके अलावा वाहनों से होने वाला ध्वनि-प्रदूषण भी चिंता का विषय है।
निरंतर बढ़ रही दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यातायात कर्मचारियों को गलत पार्किंग करने वालों, निर्धारित गति से तेज़ वाहन चलाने वालों, नशेड़ी चालकों व अन्य यातायात के नियमों की अवहेलना करने वालों के साथ सख्ती से निपटना चाहिए। ऐसा प्रावधान होना चाहिए कि जो

निर्धारित चालानों की संख्या को पार कर जाता है, उसका सदा के लिए लाइसेंस रद्द कर देना चाहिए। मैं ऐसा मानता हूँ कि यदि प्रशासन इस दिशा में सख्त होगा तो किसी की क्या मजाल कि वह नियमों की अवहेलना करे। इसके अतिरिक्त समय-समय पर लोगों को यातायात के नियमों के प्रति जागरूक करना चाहिए।

आशा है कि समाचार पत्र में इस लेख को पढ़कर जनता व प्रशासन इस ओर ज़रूर ध्यान देगी।

सधन्यवाद।

विराट कुमार

(विराट कुमार)

शिवाजी नगर।

मुम्बई

मोबाइल नम्बर-1865899076

पाठ -14

अनुवाद

निम्नलिखित पंजाबी के गद्यांशों का हिंदी में अनुवाद करें

1. ਮੈਨੂੰ ਜਦੋਂ ਵੀ ਆਪਣਾ ਬਚਪਨ ਯਾਦ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਮੇਰਾ ਦਿਲ ਕਰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਆਪਣੇ ਉਸੇ ਬਚਪਨ ਵਿਚ ਗੁਮ ਹੋ ਜਾਵਾਂ | ਮਨ ਬਚਪਨ ਦੀਆਂ ਖੇਡਾਂ ਵਲ ਚਲਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਪਤੰਗ ਉਡਾਣਾ, ਦੋਸਤਾਂ ਨਾਲ਼ ਸਾਈਕਲ ਦੀਆਂ ਰੇਸਾਂ ਲਗਾਉਣਾ, ਬੰਟੇ ਖੇਡਣੇ ਅਤੇ ਰਾਤ ਨੂੰ ਲੁਕਣ-ਮੀਟੀ ਖੇਡਣਾ ਮੈਨੂੰ ਅੱਜ ਵੀ ਯਾਦ ਹੈ । ਤਪਦੀ ਗਰਮੀ ਵਿਚ ਬਾਗ਼ ਵਿੱਚ ਅੰਬ ਤੋੜ ਕੇ ਖਾਣੇ ਅਤੇ ਬਹੁਤ ਤੇਜ਼ ਮੀਂਹ ਵਿਚ ਨਹਾਉਣਾ ਮੈਨੂੰ ਬਹੁਤ ਚੰਗਾ ਲਗਦਾ ਸੀ ।

अनुवाद- मुझे जब भी अपना बचपन याद आता है तो मेरा दिल करता है कि मैं अपने उस बचपन में गुम हो जाऊँ। मन बचपन की खेलों की तर**फ़** चला जाता है। पतंग उड़ाना, मित्रों के साथ साइकिल की दौड़ें लगाना, कंचे खेलने और रात को छुपम-छुपाई खेलना मुझे आज भी याद है। तपती गर्मी में बाग़ में आम तोड़ कर खाने और बहुत तेज़ बारिश में नहाना मुझे बहुत अच्छा लगता था।

2. ਭ੍ਰਿਸ਼ਟ ਆਚਰਣ ਹੀ ਭ੍ਰਿਸਟਾਚਾਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਕੁਝ ਲੋਕ ਕੇਵਲ ਪੈਸੇ ਦੀ ਹੇਰਾਫੇਰੀ ਅਤੇ ਘਪਲੇਬਾਜ਼ੀ ਨੂੰ ਹੀ ਭ੍ਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ। ਪਰ ਇਸ ਵਿਚ ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਮਿਲਾਵਟ, ਅਨਿਆਂ, ਸ਼ਿਫਾਰਿਸ, ਕਾਲਾਬਾਜ਼ਾਰੀ, ਸ਼ੋਸ਼ਣ ਅਤੇ ਧੋਖਾ ਆਦਿ ਸਭ ਕੁਝ ਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਸਾਰਾ ਸਮਾਜ ਇੱਕ ਜੁਟ ਹੋ ਕੇ ਹੀ ਭ੍ਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਰੂਪੀ ਇਸ ਦੈਂਤ ਨੂੰ ਖ਼ਤਮ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ ।

अनुवाद - भ्रष्ट आचरण ही भ्रष्टाचार होता है। कुछ लोग केवल पैसे की हेराफेरी और घपलेबाज़ी को ही भ्रष्टाचार कहते हैं। पर इसके अतिरिक्त मिलावट, अन्याय, सि**फ़ा**रिश, कालाबाज़ारी, शोषण और धोखा आदि सब कुछ आ जाता है। सारा समाज एकजुट हो कर भ्रष्टाचार रूपी इस दैत्य को समाप्त कर सकता है।

3) ਜੀਵਨ ਵਿਚ ਮਿਹਨਤ ਦਾ ਬਹੁਤ ਮਹੱਤਵ ਹੈ । ਮਿਹਨਤੀ ਵਿਅਕਤੀ ਵਿਚ ਜੇਕਰ ਦ੍ਰਿੜ ਸੰਕਲਪ ਵੀ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਕਈ ਵਾਰ ਅਜਿਹੇ ਕੰਮ ਵੀ ਕਰ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜੋ ਕਿ ਆਮ ਇਨਸਾਨ ਨੂੰ ਅਸੰਭਵ ਲਗਦੇ ਹਨ । ਸੱਚਾ ਮਿਹਨਤੀ ਵਿਅਕਤੀ ਜੇਕਰ ਕਿਸੇ ਕੰਮ ਵਿਚ ਅਸਫ਼ਲ ਵੀ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਆਪਣੀਆਂ ਕਮੀਆਂ ਦਾ ਪਤਾ ਲਗਾ ਕੇ ਵਧੇਰੇ ਸ਼ਕਤੀ ਨਾਲ ਉਸ ਕੰਮ ਵਿਚ ਜੁੱਟ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

अनुवाद- जीवन में मेहनत का बहुत महत्त्व है। मेहनती व्यक्ति में यदि दृढ़ संकल्प भी हो तो वह कई बार ऐसे काम भी कर जाता है जो कि आम इन्सान को असंभव लगते हैं। सच्चा मेहनती व्यक्ति यदि किसी काम में अस**फ़**ल भी हो जाता है तो वह अपनी कमियों का पता लगा कर अधिक शक्ति से उस काम में जुट जाता है।

4. ਸਾਨੂੰ ਆਪਣੇ ਤਨ ਨੂੰ ਤੰਦਰੁਸਤ ਰੱਖਣ ਲਈ ਕਸਰਤ ਕਰਨ ਦੀ ਆਦਤ ਪਾਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਕਸਰਤ ਨਾਲ਼ ਕੇਵਲ ਤਨ ਹੀ ਨਹੀਂ ਸਗੋਂ ਸਾਡਾ ਮਨ ਵੀ ਚੰਗਾ ਬਣਦਾ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਤਨ ਅਤੇ ਮਨ ਦੋਵੇਂ ਤੰਦਰੁਸਤ ਹੋ ਜਾਣਗੇ ਤਾਂ ਸਾਡੇ ਮਨ ਵਿਚ ਚੰਗੇ ਵਿਚਾਰ ਆਉਣਗੇ। ਚੰਗੇ ਵਿਚਾਰਾਂ ਨਾਲ ਹੀ ਅਸੀਂ ਚੰਗੇ ਕਰਮ ਕਰਾਂਗੇ।

अनुवाद- हमें अपने तन को स्वस्थ रखने के लिए कसरत की आदत डालनी चाहिए। कसरत के साथ केवल तन ही नहीं अपितु हमारा मन भी अच्छा बनता है। जब तन और मन दोनों स्वस्थ हो जाएंगे तो हमारे मन में अच्छे विचार आएंगे। अच्छे विचारों से हो हम अच्छे कार्य करेंगे।

5. ਚੰਗੀਆਂ ਕਿਤਾਬਾਂ ਸੁੱਖ ਅਤੇ ਖ਼ੁਸ਼ੀਆਂ ਦਾ ਖ਼ਜ਼ਾਨਾ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ। ਔਖੀ ਘੜੀ ਵਿਚ ਇਹ ਸਾਡਾ ਮਾਰਗ ਦਰਸ਼ਨ ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ। ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਕਿਤਾਬਾਂ ਨਾਲ ਪਿਆਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਈ ਕਿਤਾਬਾਂ ਕਿਸੇ ਖ਼ਜ਼ਾਨੇ ਤੋਂ ਘੱਟ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀਆਂ। ਲੋਕਮਾਨਿਆ ਤਿਲਕ ਦਾ ਕਹਿਣਾ ਸੀ ਕਿ– 'ਮੈਂ ਨਰਕ ਵਿਚ ਵੀ ਕਿਤਾਬਾਂ ਦਾ ਸਵਾਗਤ ਕਰਾਂਗਾ ਕਿਉਂਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚ ਉਹ ਸ਼ਕਤੀ ਹੈ ਕਿ ਜਿੱਥੇ ਇਹ ਹੋਣਗੀਆਂ ਉੱਥੇ ਆਪਣੇ ਆਪ ਸਵਰਗ ਬਣ ਜਾਏਗਾ।'

अनुवाद - अच्छी पुस्तकें सुख और प्रसन्नताओं का **ख़**ज़ाना होती हैं। कठिन घड़ी में ये हमारा मार्गदर्शन करती हैं। जिन लोगों को पुस्तकों से प्रेम होता है, उनके लिए पुस्तकें किसी **ख़**ज़ाने से कम नहीं होतीं। लोकमान्य तिलक का कहना था 'मैं नर्क में भी पुस्तकों का स्वागत करूँगा। क्योंकि इनमें वह शक्ति है कि जहाँ ये होंगी वहाँ अपने आप स्वर्ग बन जाएगा।'

6. ਓਜ਼ੋਨ ਪਰਤ ਸੂਰਜ ਤੋਂ ਨਿਕਲਣ ਵਾਲੀਆਂ ਨੁਕਸਾਨਦਾਇਕ ਕਿਰਣਾਂ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਪਰਾਬੈਂਗਣੀ ਕਿਰਣਾਂ ਨੂੰ ਵਾਯੁਮੰਡਲ ਵਿਚ ਪ੍ਰਵੇਸ਼ ਕਰਨ ਤੋਂ ਰੋਕਣ ਲਈ ਫਿਲਟਰ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿਚ ਕੰਮ ਕਰਦੀ ਹੈ । ਫ੍ਰਿਜ, ਏ.ਸੀ. ਉਪਕਰਣ ਆਦਿ ਵਿਚ ਇਸਤੇਮਾਲ ਹੋਣ ਵਾਲੀਆਂ ਜ਼ਹਿਰੀਲੀਆਂ ਗੈਸਾਂ ਇਸ ਪਰਤ ਨੂੰ ਨੁਕਸਾਨ ਕਰਦੀਆਂ ਹਨ । ਇਸ ਲਈ ਸਾਨੂੰ ਏ.ਸੀ, ਉਪਕਰਣਾਂ ਦਾ ਘੱਟ ਪ੍ਰਯੋਗ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

अनुवाद — ओज़ोन परत सूर्य से निकलने वाली हानिकारक किरणों के साथ-साथ पराबैंगनी किरणों को वायुमंडल में प्रवेश करने से रोकने के लिए फिल्टर के रूप में काम करती हैं। फ्रिज, ए०सी० उपकरण आदि में प्रयुक्त होने वाली विषैली गैसें इस परत का नुकसान करती हैं। इसलिए हमें ए०सी० उपकरणों का कम प्रयोग करना चाहिए।

7. ਹਿੰਦੀ ਨੂੰ ਸੰਘ ਦੀ ਰਾਜਭਾਸ਼ਾ ਕਹਿਣ ਦਾ ਇਹ ਅਰਥ ਨਹੀਂ ਕਿ ਭਾਰਤ ਦੀਆਂ ਦੂਜੀਆਂ ਭਾਸ਼ਾਵਾਂ ਇਸ ਤੋਂ ਘੱਟ ਮਹੱਤਵਪੂਰਣ ਹਨ। ਭਾਰਤ ਦੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ਿਕ ਭਾਸ਼ਾਵਾਂ ਸਮਾਨ ਮਹੱਤਵ ਰੱਖਦੀਆਂ ਹਨ। ਜੇਕਰ ਅਖਿਲ ਭਾਰਤੀ ਪੱਧਰ 'ਤੇ ਹਿੰਦੀ ਰਾਜਭਾਸ਼ਾ ਹੈ ਤਾਂ ਦੂਜੀਆਂ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ਿਕ ਭਾਸ਼ਾਵਾਂ ਆਪਣੇ-ਆਪਣੇ ਰਾਜਾਂ ਵਿਚ ਰਾਜਭਾਸ਼ਾ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿਚ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੀਆਂ ਹਨ।

अनुवाद - हिंदी को संघ की राजभाषा कहने का यह अर्थ नहीं कि भारत में अन्य भाषाएँ इस से कम महत्त्वपूर्ण हैं। भारत की सभी प्रादेशिक भाषाएँ समान महत्त्व रखती हैं। यदि अखिल भारतीय स्तर पर हिंदी राजभाषा है तो अन्य प्रादेशिक भाषाएँ अपने-अपने राज्यों में राजभाषा के रूप में काम कर रही हैं।

8. ਸਾਨੂੰ ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਖਪਤ ਘੱਟ ਅਤੇ ਬੜੇ ਹੀ ਕਿਫ਼ਾਇਤੀ ਢੰਗ ਨਾਲ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਜਿਸ ਸਥਾਨ 'ਤੇ ਅਸੀਂ ਮੌਜੂਦ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੇ, ਉਸ ਸਥਾਨ 'ਤੇ ਬਿਜਲੀ ਚਲਦੀ ਨਹੀਂ ਰਹਿਣ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ। ਬਿਜਲੀ ਦੀ ਬੱਚਤ ਸੰਬੰਧੀ ਇੱਕ ਨਾਰਾ ਹੈ 'ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਜਦੋਂ', (ਸਵਿੱਚ) ਬਟਨ ਬੰਦ ਉਦੋਂ । ਜੇਕਰ ਇਸ ਨਾਰੇ ਨੂੰ ਸਾਰੇ ਲੋਕ ਆਪਣੇ ਜੀਵਨ ਵਿਚ ਅਪਨਾ ਲੈਣ ਤਾਂ ਵੀ ਅਸੀਂ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀ ਬਿਜਲੀ ਬਚਾ ਸਕਦੇ ਹਾਂ ।

अनुवाद- हमें बिजली की खपत कम और अति किफ़ायती ढंग से करनी चाहिए। जिस स्थान पर हम उपस्थित नहीं होते, उस स्थान पर बिजली चलती नहीं रहने देनी चाहिए। बिजली की बचत संबंधी एक नारा है 'आवश्यकता नहीं जब, बटन बंद तब।' यदि इस नारे को सभी लोग अपने जीवन में अपना लें तो हम बहुत-सी बिजली बचा सकते हैं।

9. ਮਹਿੰਗਾਈ ਨੇ ਅੱਜ ਗਰੀਬ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਕਮਰ ਤੋੜ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਘਰੇਲੂ ਪ੍ਰਯੋਗ ਵਿਚ ਆਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਵਸਤੂਆਂ ਦੀਆਂ ਕੀਮਤਾਂ ਇਸ ਕਦਰ ਵੱਧ ਗਈਆਂ ਹਨ ਕਿ ਗਰੀਬ ਵਰਗ ਦਾ ਘਰ-ਪਰਿਵਾਰ ਦਾ ਗੁਜ਼ਾਰਾ ਕਰਨਾ ਬਹੁਤ ਮੁਸ਼ਕਿਲ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਜਲਦੀ ਤੋਂ ਜਲਦੀ ਮਹਿੰਗਾਈ ਨੂੰ ਘਟਾ ਕੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਰਾਹਤ ਦੇਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

अनुवाद - महंगाई ने आज **ग़रीब** लोगों की कमर तोड़ दी है। घरेलू प्रयोग में आने वाली वस्तुओं के मूल्य इस तरह बढ़ गए हैं कि निर्धन वर्ग के घर-परिवार का निर्वाह करना बहुत कठिन हो गया है। सरकार को शीघ्रातिशीघ्र महंगाई को घटा कर लोगों को राहत देनी चाहिए।

10. ਸਾਡੇ ਸਕੂਲ ਦਾ ਸਲਾਨਾ ਸਮਾਗਮ ਬੜੀ ਧੂਮਧਾਮ ਨਾਲ ਮਨਾਇਆ ਗਿਆ। ਸਾਰੇ ਸਕੂਲ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਹੀ ਸੁੰਦਰ ਢੰਗ ਨਾਲ ਸਜਾਇਆ ਗਿਆ। ਸਕੂਲ ਦੇ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਨੇ ਸਕੂਲ ਦੀ ਰਿਪੋਰਟ ਪੜ੍ਹੀ। ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਨੇ ਸਿੱਖਿਆ ਦੇ ਖੇਤਰ ਵਿੱਚ ਸਾਡੇ ਸਕੂਲ ਦੇ ਯੋਗਦਾਨ ਦੀ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ ਕੀਤੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਸਾਲ ਹਰ ਜਮਾਤ ਵਿੱਚੋਂ ਪਹਿਲੇ ਤਿੰਨ ਸਥਾਨ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਇਨਾਮ ਵੰਡੇ ।

अनुवाद- हमारे स्कूल का वार्षिक समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया गया। सारे स्कूल को बहुत ही सुंदर ढंग से सजाया गया। स्कूल के प्राचार्य ने स्कूल की रिपोर्ट पढ़ी। मुख्य अतिथि ने शिक्षा के क्षेत्र में हमारे स्कूल के योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने इस वर्ष कक्षा में पहले तीन स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार बाँटे ।

पाठ-15 (मुहावरे/लोकोक्तियाँ)
अभ्यास

नीचे दिए गए मुहावरों के अर्थ समझकर वाक्य बनाइए :

1. अपने पैरों पर खड़े होना - (आत्मनिर्भर होना) - समाज में अपने पैरों पर खड़े होने वाले का बहुत सम्मान होता है ।

2. आँच न आने देना - (किसी तरह का नुकसान न होने देना) - हमें अपने देश की मान-मर्यादा पर आँच नहीं आने देनी चाहिए।

3. उन्नीस-बीस का अंतर होना - (बहुत कम अंतर होना) - रवि और राजन की उम्र में उन्नीस-बीस का अंतर है ।

4. कान में तेल डाल लेना - (बात न सुनना) - रजनी को कितना बुलाओ सुनती ही नहीं, लगता है उस ने कान में तेल डाल लिया है।

5. गले का हार - (बहुत प्यारा) - राम अपने माता-पिता के गले का हार है ।

6. चैन की बंसी बजाना - (सुखपूर्वक रहना) - जसबीर सिंह सेवानिवृत्ति के बाद चैन की बंसी बजा रहा है ।

7. तिल का ताड़ बनाना - (छोटी सी बात को बढ़ाना) - सुधीर की ज़रा-सी डाँट को अपने ऊपर आरोप समझना रवि का तिल का ताड़ बनाना है ।

8. दाँतों में जीभ होना - (चारों ओर विरोधियों से घिरे रहना) - चुनाव के दंगल में परमवीर सिंह ऐसे घिर गया जैसे दाँतों में जीभ हो।

9. पीठ दिखाना - (हारकर भाग जाना) - भारतीय सेना का आक्रामक रुख देख कर शत्रु सेना पीठ दिखा गई ।

10. मुँह में पानी भर आना - (ललचाना) - लड्डू को देखकर रमेश के मुँह में पानी भर आया ।

नीचे दिए गए लोकोक्तियों के अर्थ समझकर वाक्य बनाइए :

1. अपना वही जो आवे काम - (मित्र वही है जो मुसीबत में काम आए) - जसबीर सिंह की बेटी की शादी में जब उसे कुछ रुपयों की ज़रूरत पड़ी तब रविन्द्र सिंह ने उसे मुँह- माँगी रकम तुरंत दे दी तो जसबीर सिंह कह उठा - अपना वही जो आवे काम ।

2. आग लगाकर पानी को दौड़ना - (झगड़ा कराने के बाद स्वयं ही सुलह कराने बैठना) - पहले तो पिंकी हरमन से लड़ती रही फिर स्वयं ही उसे मनाने लगी तो हरमन ने कहा तुम तो आग लगा कर पानी को दौड़ने का काम कर रही हो ।

3. उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे - (अपराध करने वाला उल्टी धौंस जमाए) - रवि ने साइकिल से ठोकर मार कर वृद्ध को गिरा दिया और फिर उसे बुरा-भला कहने लगा, इसी को कहते हैं उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे ।

4. ओस चाटे प्यास नहीं बुझती - (अधिक आवश्यकता वाले को थोड़े - से संतुष्टि नहीं होती) - हाथी का पेट एक केले से नहीं भरता उसे तो कई दर्जन केले खाने के लिए देने होंगे क्योंकि उसकी ओस चाटे प्यास नहीं बुझती ।

5. कोठी वाला रोये छप्पर वाला सोये - (धनी प्रायः चिन्तित रहते हैं और निर्धन निश्चिंत रहते हैं) - राजकुमार करोड़ों का मालिक है । उसे अपने धन की सुरक्षा की सदा चिंता बनी रहती है। जबकि फकीरचंद फक्कड़ है, इसलिए सदा खुश रहता है । इसीलिए कहते हैं कि कोठी वाला रोये छप्पर वाला सोये।

6. बन्दर घुड़की, गीदड़ धमकी - (झूठा रौब दिखाना) - त्रिलोक कुछ करता-धरता नहीं है। बेकार ही सब को बंदर घुड़की, गीदड़ धमकी देकर डराता रहता है।

7. बीति ताहि बिसारि दे, आगे की सुध लेय - (पुरानी एवं दुःखपूर्ण बातों को भूलकर भविष्य के लिए सावधानी बरतनी चाहिए ।) - रामदास को व्यापार में बहुत घाटा हुआ तो सिर पकड़ कर बैठ गया तब सेवा सिंह ने उसे समझाया कि बीति ताहि बिसारि दे, आगे की सुध लेय तब सब ठीक हो जाएगा।

8. मन चंगा तो कठौती में गंगा - (मन शुद्ध हो तो घर ही तीर्थ समान) - अशुद्ध मन से तीर्थाटन करने से कोई लाभ नहीं होता, घर पर ही मानसिक शुद्धि हो जाए तो वही तीर्थाटन हो जाता क्योंकि मन चंगा तो कठौती में गंगा होती है।
9. सावन हरे न भादौं सूखे - (सदा एक जैसी दशा रहना) - रजनीश गरीबी में पाई-पाई के लिए मरता था, अब उसका व्यापार चमक उठा है तो भी वह पाई-पाई के लिए मर रहा है, उसकी तो सावन हरे न भादौं सूखे जैसी हालत है।
10. हमारी बिल्ली हमीं से म्याऊँ - (सहायता प्रदान करने वाले को ही धमकाना) - हरभजन की स्कूटर से टक्कर हो गई तो वह गिर पड़ा, सुजान ने उसे हाथ पकड़ कर उठाया तो वह उसी पर बरस पड़ा इसी को कहते हैं हमारी बिल्ली हमीं से म्याऊँ।

पाठ - 16 (विज्ञापन,सूचना और प्रतिवेदन)

i) विज्ञापन

अभ्यास

1. आपका नाम प्रज्ञा है। आप समाज सेविका हैं। आपके कोचिंग सेंटर का नाम है- प्रज्ञा कोचिंग सैंटर। आपका फोन नम्बर 1891000000 है। आपने शामपुरा शहर में दसवीं, बारहवीं कक्षा के गरीब विद्यार्थियों के लिए साइंस व गणित विषयों की निःशुल्क कोचिंग कक्षाएं एक नये कोचिंग सेंटर में खोली हैं। कोचिंग सेंटर के उद्घाटन के सम्बन्ध में एक विज्ञापन का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

उत्तर - प्रज्ञा कोचिंग सेंटर

आगामी शिक्षा सत्र को ध्यान में रखते हुए आपके अपने शहर में दसवीं, बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क साइंस व गणित विषय की तैयारी हेतु कोचिंग सेंटर को आरंभ किया जा रहा है। संपर्क करें :- प्रज्ञा। डायरेक्टर, प्रज्ञा कोचिंग सेंटर, शामपुरा। मोबाइल नं० 1891000000.

2. आपका नाम मंगल राय है। आपकी मेन बाज़ार, अम्बाला में कपड़े की दुकान है। आपका फोन नंबर 1746578673 है। वर्गीकृत विज्ञापन के अंतर्गत 'सेल्ज़मैन की आवश्यकता है' का प्रारूप तैयार करके लिखें।

उत्तर - सेल्ज़मैन की आवश्यकता

कपड़े की दुकान पर एक कुशल सेल्ज़मैन को आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। शीघ्र मिलें - मंगलराय। मेन बाज़ार,अम्बाला। मोबाइल नं० 1746578673.

3. आपका नाम पंडित अखिलेश नाथ है। आपका मोबाइल नंबर - 1464246200 है। आपने सैक्टर - 22, चंडीगढ़ में एक 'अखिलेश योग साधना केंद्र' खोला है जहाँ आप लोगों को योग सिखाते हैं जिसकी प्रति व्यक्ति, प्रति मास ₹1000 फीस है। वर्गीकृत विज्ञापन के अंतर्गत 'योग सीखिए' का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

उत्तर - योग सीखिए

योग सीखने का सुनहरी मौका। योग के आसान तथा सटीक आसन सीखिए। योग सौखने की फीस प्रति व्यक्ति, प्रति मास ₹1000 है। समय प्रातः 5 से 7 बजे। संपर्क करें - पंडित अखिलेश नाथ, अखिलेश योग साधना केंद्र, सैक्टर-22, चंडीगढ़। मोबाइल न० 1464246200.

4. आपका नाम नीरज कुमार है। आप मकान नम्बर 1450, सैक्टर-19, नंगल में रहते हैं। आपने अपना नाम नीरज कुमार से बदल कर नीरज कुमार वर्मा रख लिया है। 'नाम परिवर्तन' शीर्षक के अंतर्गत विज्ञापन का प्रारूप तैयार करें।

उत्तर - नाम परिवर्तन

मैं नीरज कुमार, मकान नंबर 1450, सैक्टर-19, नंगल निवासी ने अपना नाम बदलकर नीरज कुमार वर्मा रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से पुकारा और लिखा जाए।

5. आपका नाम विमल प्रसाद है। आप मकान नंबर 227, सैक्टर-22, जगाधरी में रहते हैं। आपका मोबाइल नम्बर 1987642345 है। आप अपनी 2009 मॉडल की मारुति कार बेचना चाहते हैं। वर्गीकृत विज्ञापन के अंतर्गत 'कार बिकाऊ है' का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

उत्तर - कार विकाऊ है

मारुति, मॉडल 2009 बिकाऊ है। खरीदने के इच्छुक संपर्क करें-विमल प्रसाद मकान नम्बर - 227, सैक्टर-22, जगाधरी। मोबाइल नंबर - 1987642345.

6. आपका नाम शारदा कुमारी है। आपको घर के कामकाज के लिए एक नौकरानी की आवश्यकता है। आपका फोन नम्बर 1889065567 है। वर्गीकृत विज्ञापन के अंतर्गत नौकरानी की आवश्यकता है' का प्रारूप तैयार करके लिखें।

उत्तर - नौकरानी की आवश्यकता है

घर के कामकाज के लिए एक अनुभवी नौकरानी की आवश्यकता है। अच्छा वेतन, रहने व खाने का प्रबंध। संपर्क करें- शारदा कुमारी, मोबाइल नम्बर 18890655671.

7. आपका नाम अवधेश कुमार है। आपकी मेन बाज़ार ,मेरठ में रेडीमेड कपड़ों की दुकान है। आपका फोन नम्बर 1464566234 है। आपने अपनी दुकान में रेडीमेड कमीज़ों पर 60% भारी छूट दी है। 'रेडीमेड कमीज़ों पर 60% भारी छूट' विषय पर अपनी दुकान की ओर से एक विज्ञापन का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

उत्तर- रेडीमेड कमीज़ों पर 60% भारी छूट

रेडीमेड कमीज़ों पर 60% की भारी छूट। जल्दी आएँ। पहली बार इतनी भारी छूट तुरंत लाभ उठाए। संपर्क करें :- अवधेश कुमार। मेन बाज़ार, मेरठ, मोबाइल नंबर - 14645662341.

8. आपका नाम अमिताभ है। आपका सैक्टर-17 चंडीगढ़ में बहुत बड़ा पाँच सितारा होटल है। आपका मोबाइल नम्बर 1354456695 है। आपको अपने होटल के लिए एक मैनेजर की आवश्यकता है। वर्गीकृत विज्ञापन के अंतर्गत 'मैनेजर की आवश्यकता है' का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

उत्तर - मैनेजर की आवश्यकता

सैक्टर-17 , चंडीगढ़ में एक प्रतिष्ठित पाँच सितारा होटल में काम करने के लिए एक मैनेजर की आवश्यकता है। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता - होटल मैनेजमेंट में डिग्री। वेतन योग्यतानुसार। तीन वर्ष का अनुभव आवश्यक। संपर्क करें- मोबाइल नंबर 1354456695.

9. आपका नाम हरिराम है। आपकी सैक्टर-14, यमुनानगर में एक दस मरले की कोठी है। आप इसे बेचना चाहते हैं। आपका मोबाइल नम्बर 1456894566 है, जिस पर कोठी खरीदने के इच्छुक आपसे संपर्क कर सकते हैं। वर्गीकृत विज्ञापन के अंतर्गत 'कोठी विकाऊ है' का प्रारूप तैयार करके लिखिए।

उत्तर - 'कोठी विकाऊ है'

सैक्टर-14, यमुनानगर में एक दस मरले की कोठो बिकाऊ है। चार कमरे, दो बाथरूम, एक किचन आधुनिक सुविधाओं से युक्त है। संपर्क करें - हरिराम, मोबाइल नंबर 1456894566.

10. आपका नाम सुदेश कुमार है। आप मकान नम्बर 46, सैक्टर-4, नोएडा में रहते हैं। आपका बेटा जिसका नाम रोहित कुमार है। उसका रंग साँवला, आयु दस वर्ष, कद चार फुट है। वह दिनांक 23.07.2022 से पुणे से गुम है। 'गुमशुदा की तलाश' शीर्षक के अंतर्गत विज्ञापन का प्रारूप तैयार करें।

उत्तर - 'गुमशुदा की तलाश'

मेरा पुत्र रोहित कुमार, उम्र दस वर्ष, कद चार फुट और रंग साँवला है, दिनांक 23 जुलाई, 2022 से पुणे से लापता है। उसका पता देने वाले अथवा उसे घर तक पहुँचाने वाले को ₹10000 का पुरस्कार दिया जाएगा। संपर्क करें - सुदेश कुमार, मकान नं. 46, सैक्टर 4 - नोएडा।

(ii) सूचना

अभ्यास

1. सरकारी हाई स्कूल, सैक्टर-14, चंडीगढ़ के मुख्याध्यापक की ओर से स्कूल के सूचना-पट (नोटिस बोर्ड) के लिए एक सूचना तैयार कीजिए, जिसमें स्कूल की सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए सैक्शन बदलने की अंतिम तिथि 07.05.2022 दी गयी हो।

उत्तर - **सैक्शन बदलने संबंधी सूचना** **29.04.2022**

सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि जो विद्यार्थी किसी भी कारण अपना सेक्शन बदलना चाहता है, वह अपना नाम अपने कक्षा अध्यापक को दिनांक 07 मई, 2022 से पहले लिखवा दे।

मुख्याध्यापक
सरकारी हाई स्कूल
सैक्टर-14, चंडीगढ़।

2. आपका नाम प्रदीप कुमार है। आप सूर्या सीनियर सेकंडरी स्कूल, पठानकोट में हिंदी के अध्यापक हैं। आप स्कूल की हिंदी साहित्य समिति के सचिव हैं। इस समिति द्वारा आपके स्कूल में दिनांक 11.08.2022 को 'सड़क सुरक्षा' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में आप अपनी ओर से एक सूचना तैयार कीजिए जिसमें विद्यार्थियों को इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कहा गया हो।

उत्तर - **भाषण प्रतियोगिता का आयोजन** **22.07.2022**

विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि हिंदी साहित्य समिति की ओर से दिनांक 11 अगस्त, 2022 को विद्यालय के हाल में 'सड़क सुरक्षा' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु आप सभी आमंत्रित हैं। आप अपना नाम 27 जुलाई तक निम्नहस्ताक्षरी को लिखवा दें।

प्रदीप कुमार
सचिव, हिंदी साहित्य समिति।
सूर्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पठानकोट।

3. आपका नाम परंजय कुमार है। आप संकल्प पब्लिक स्कूल, पटियाला के डायरेक्टर हैं। आपके स्कूल में दिनांक 7 सितंबर, 2022 को विज्ञान प्रदर्शनी लग रही है। आप अपनी ओर से एक सूचना तैयार कीजिए जिसमें स्कूल के विद्यार्थियों को इसमें भाग लेने के लिए कहा गया हो।

उत्तर - **विज्ञान प्रदर्शनी** **22.08.2022**

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि आपके विद्यालय में दिनांक 07 सितंबर, 2022 को एक विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। जो भी विद्यार्थी इस प्रदर्शनी में भाग लेना चाहता है, वह अपना नाम कक्षा अध्यापक को 28 अगस्त से पहले लिखवा दें। सभी विद्यार्थियों का विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लेना आवश्यक है।

परंजय कुमार
डायरेक्टर
संकल्प पब्लिक स्कूल, पटियाला।

4. आपके ज्ञान प्रकाश मॉडल सीनियर सैकंडरी स्कूल, मोहाली में दिनांक 06.12. 2022 को वार्षिक उत्सव पर गिद्दा व भाँगड़ा का आयोजन किया जा रहा है। स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अध्यक्ष श्री भूपेंद्रपाल सिंह द्वारा एक सूचना तैयार कीजिए, जिसमें इच्छुक विद्यार्थियों को इनमें भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया हो।

उत्तर - **वार्षिक उत्सव संबंधी सूचना** **15.11.2022**

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 06 दिसंबर, 2022 को विद्यालय में वार्षिक उत्सव मनाया जा रहा है,जिसमें गिद्दा और भाँगड़ा का आयोजन भी होगा जो विद्यार्थी इनमें भाग लेना चाहते हैं, वे सभी अपना नाम निम्न हस्ताक्षरी को 20 नवम्बर से पहले लिखवा दें।

भूपेंद्रपाल सिंह
अध्यक्ष, सांस्कृतिक कार्यक्रम।
ज्ञान प्रकाश मॉडल सीनियर सैकेंडरी स्कूल, मोहाली।

5. आपका नाम जगदीश सिंह है। आप आलोक सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, मानसा के ड्रामा क्लब के डायरेक्टर हैं। आपके स्कूल में 25 दिसंबर, 2022 को एक ऐतिहासिक नाटक का मंचन किया जाना है, जिसका नाम है 'रानी लक्ष्मीबाई'। आप इस सम्बन्ध में एक सूचना तैयार करें। जिसमें विद्यार्थियों को उपर्युक्त नाटक में भाग लेने के लिए नाम लिखवाने के लिए कहा गया हो।

उत्तर - **'रानी लक्ष्मीबाई' नाटक का मंचन** **25.11.2022**

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 25 दिसंबर, 2022 को विद्यालय के ड्रामा क्लब की ओर से ऐतिहासिक नाटक 'रानी लक्ष्मीबाई' का मंचन होने जा रहा है। इस नाटक में भाग लेने के लिए इच्छुक विद्यार्थी 30 नवंबर 2022 तक अपने नाम निम्न हस्ताक्षरी को लिखवा दें।

जगदीश सिंह
डायरेक्टर, ड्रामा क्लब,रोपड़।

iii) प्रतिवेदन

अभ्यास

1. आपका नाम संदीप कुमार है। आप सरकारी हाई स्कूल, नवाँशहर में पढ़ते हैं। आप अपने स्कूल के छात्र-संघ के सचिव हैं। आपके स्कूल में दिनांक 14 नवम्बर, 2022 को ट्रैफिक पुलिस अधिकारी द्वारा विद्यार्थियों को सड़क पर चलने के नियमों की जानकारी दी गयी तथा इस सम्बन्धी पढ़ने की सामग्री भी दी गयी। इस आधार पर प्रतिवेदन लिखिए।

उत्तर - शीर्षक- सड़क सुरक्षा गोष्टी

सरकारी हाई स्कूल, नवांशहर के परिसर में दिनांक 14 नवंबर, 2022 को प्रातः 9 बजे स्थानीय ट्रैफिक पुलिस अधिकारी द्वारा विद्यार्थियों को सड़क पर चलने के नियमों की जानकारी देते हुए बताया गया कि। उन्होंने यातायात से संबंधित विभिन्न नियमों की सामग्री भी पढ़ने के लिए विद्यार्थियों में वितरित की। उन्होंने मंत्र दिया कि सड़क पर सावधानी से चलने में ही सुरक्षा है। मुख्याध्यापक महोदय ने उनकी इस महत्त्वपूर्ण जानकारी देने के लिए आभार व्यक्त किया।

संदीप कुमार
सचिव, छात्र-संघ
सरकारी हाई स्कूल, नवाँशहर

2. आपका नाम मनजीत सिंह है। आप चंडीगढ़ पब्लिक स्कूल, चंडीगढ़ में पढ़ते हैं। आप अपने स्कूल के हिन्दी-साहित्य-परिषद् के सचिव हैं। आपके स्कूल में दिनांक 20 नवम्बर, 2022 को हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कवियों द्वारा अपनी हास्य कविताओं से सभी का मनोरंजन किया गया। इस आधार पर प्रतिवेदन लिखिए।

उत्तर - शीर्षक-हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन

चंडीगढ़ पब्लिक स्कूल, चंडीगढ़ के परिसर में दिनांक 20 नवंबर, 2022 को प्रातः 10 बजे मुख्याध्यापक श्री विकास शर्मा जी की अध्यक्षता में एक हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न कक्षाओं के तीस विद्यार्थियों ने अपनी हास्य कविताओं से सभी का मनोरंजन किया। सर्वश्रेष्ठ प्रथम तीन विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

मनजीत सिंह
सचिव, हिन्दी साहित्य परिषद्
चंडीगढ़ पब्लिक स्कूल, चंडीगढ़

3. आपका नाम सूर्यप्रकाश है। आप उपकार हाई स्कूल, नागपुर में पढ़ते हैं। आप स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अध्यक्ष हैं। आपके स्कूल में दिनांक 01 दिसम्बर, 2022 को विश्व एड्स दिवस मनाया गया जिसमें डॉ० कंवलदीप सिंह मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर विद्यार्थियों को एड्स के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पोस्टर मेकिंग, नारा, लेखन, भाषण व निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। डॉ० साहिब ने एड्स के प्रति विद्यार्थियों की सभी भ्रांतियों को दूर किया तथा प्रत्येक प्रतियोगिता में पहले तीन स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया। इस आधार पर प्रतिवेदन लिखिए।

उत्तर - शीर्षक- विश्व एड्स दिवस आयोजन

उपकार हाई स्कूल, नागपुर के परिसर में दिनांक 01 दिसंबर, 2022 को विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में पोस्टर मेकिंग, नारा लेखन, भाषण तथा निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और आयोजन के मुख्य अतिथि डॉ० कंवलदीप सिंह

ने एड्स के प्रति विद्यार्थियों की विभिन्न भ्रांतियों का निवारण करते किया और प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया। मुख्याध्यापक महोदय ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया।

सूर्यप्रकाश
अध्यक्ष, सांस्कृतिक कार्यक्रम
उपकार हाई स्कूल, नागपुर

4. आपका नाम अमनदीप सिंह है। आप सरकारी हाई स्कूल, देसूमाजरा में पढ़ते हैं। आप अपने स्कूल के एन०एस०एस० यूनिट (राष्ट्रीय सेवा योजना) की सचिव हैं। आपके स्कूल में दिनांक 12 अक्तूबर, 2022 को स्थानीय सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों की टीम के सहयोग से दो दिवसीय 'दंत-जांच-शिविर' का आयोजन किया गया। डॉक्टरों द्वारा विद्यार्थियों के दाँतों की जाँच की गयी और रोगियों को मुफ्त दवाइयाँ दी गयीं। उन्हें दाँतों की सफाई और सुरक्षा के बारे में जागरूक भी किया गया। इस आधार पर प्रतिवेदन लिखिए।

उत्तर - शीर्षक- दंत जांच शिविर का आयोजन

सरकारी हाई स्कूल, देसूमाजरा में स्कूल के एन०एस०एस० यूनिट द्वारा स्कूल परिसर में दिनांक 12 अक्तूबर, सन् 2022 को स्थानीय सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों की टीम के सहयोग से दो दिवसीय 'दंत-जाँच-शिविर' का आयोजन किया गया। डॉक्टरों ने विद्यार्थियों के दाँतों की जाँच की और रोगियों को मुफ्त दवाइयाँ दीं तथा उन्हें दाँतों की सफाई और सुरक्षा के बारे में जागरूक किया। मुख्याध्यापक महोदय ने डॉक्टरों का आभार व्यक्त किया।

अमनदीप सिंह
सचिव एन०एस०एस० यूनिट
(राष्ट्रीय सेवा योजना)
सरकारी हाई स्कूल, देसूमाजरा

5. आपका नाम अनुकांत कौशल है। आप दयानंद पब्लिक स्कूल, बहादुरगढ़ में पढ़ते हैं। आप दसवीं कक्षा के प्रतिनिधि छात्र हैं। आपकी कक्षा का एक छात्र-दल दिनांक 16.12.2022 को शैक्षिक भ्रमण हेतु चंडीगढ़ गया था, जहाँ उन्होंने रोज़ गाडर्न व रॉक गाडर्न के साथ-साथ पंजाब विश्वविद्यालय की सैर की। इस आधार पर प्रतिवेदन लिखिए।

उत्तर - शीर्षक - शैक्षिक भ्रमण

दयानंद पब्लिक स्कूल, बहादुरगढ़ की कक्षा दसवीं के दस छात्रों का एक दल दिनांक 16.12.2022 को शैक्षिक भ्रमण के लिए चंडीगढ़ गया, जहाँ उन्होंने रोज़ गार्डन, रॉक गार्डन, पंजाब विश्वविद्यालय, आदि स्थानों की सैर की। साथ गए अध्यापकों ने सभी स्थानों की विशेषताओं से परिचित कराते हुए भ्रमण के महत्त्व पर प्रकाश डाला। सभी छात्र इस भ्रमण यात्रा से अत्यंत प्रसन्न हुए।

अनुकान्त कौशल
प्रतिनिधि, कक्षा दसवीं
दयानंद पब्लिक स्कूल, बहादुरगढ़

पाठ - 17
प्रपत्र-पूर्ति
अभ्यास

1) मान लीजिए आपका नाम राज कुमार है। आपका हिंदोस्तान बैंक, शाखा-मुम्बई में एक बचत खाता है, जिसका नम्बर 7338380103 है। आपको अपने इस खाते में से 7500/- रुपये निकलवाने हैं। इस अनुसार निम्नलिखित प्रपत्र को अपनी उत्तर-पुस्तिका पर उतारकर भरें।

हिंदोस्तान बैंक, शाखा - मुम्बई
बचत बैंक आहरण प्रपत्र

बचत खाताधारक का नाम : ..... राज कुमार .....

खाता नम्बर : .....7338380103 .....कृपया मुझे

..... 7500/- रु. (अंकों में) ..... केवल सात हज़ार पाँच सौ रुपये ..... (शब्दों में) अदा करें।

खाताधारक के हस्ताक्षर : .....राज कुमार.....

2) मान लीजिए आपका नाम शिखर कुमार है। आपको लोकेश कुमार को दिनांक 06.12.2023 को 10,000/- रु. का स्वहस्ताक्षरित रेखांकित किया हुआ चेक लिखकर देना है। इस अनुसार निम्नलिखित चेक के प्रपत्र को भरें :-

दिनांक : .....06.12.2023.....

..... लोकेश कुमार .....

.....या धारक को

रुपये ..... दस हज़ार ..... रु. 10,000

..... अदा करें

कृपया यहाँ हस्ताक्षर करें

..... शिखर कुमार .....

3) मान लीजिए आपका नाम कांता देवी है। आपको रेखा कुमारी को दिनांक 03.12.2023 को ₹20000 का स्वाहस्ताक्षरित रेखांकित किया हुआ चेक लिखकर देना है। इस अनुसार निम्नलिखित चेक के प्रपत्र को भरें :-

दिनांक : ..... 03.12.2023 .....

..... रेखा कुमारी .....

.....या धारक को

रुपये ..... बीस हज़ार ..... रु. 20,000

..... अदा करें

कृपया यहाँ हस्ताक्षर करें

..... कांता देवी .....

4) मान लीजिए आपका नाम जगदीश सिंह है। आपका भारत बैंक, शाखा - गंगानगर में एक बचत खाता है, जिसका नम्बर 492694213 है। आपको अपने इस खाते में से 3500/- रुपये निकलवाने हैं। इस अनुसार निम्नलिखित प्रपत्र को अपनी उत्तर-पुस्तिका पर उतारकर भरें।

भारत बैंक, शाखा - गंगानगर
बचत बैंक आहरण प्रपत्र

बचत खाताधारक का नाम: ..... जगदीश सिंह .....

खाता नम्बर: ..... 492694213 ..... कृपया मुझे

..... 3500/- रु. (अंकों में .....केवल तीन हज़ार पाँच सौ रुपये ..... (शब्दों में) अदा करें।

खाताधारक के हस्ताक्षर : ..... जगदीश सिंह .....

hindipunjab.com

5) मान लीजिए आपका नाम विजय दीनानाथ चौहान है। आपका अरावली बैंक, शाखा-चण्डीगढ़ में एक बचत खाता है, जिसका नम्बर 7873826633 है। आपको अपने इस खाते में दिनांक 26.12.2023 को 4500/- रुपये जमा करवाने हैं। इस अनुसार निम्नलिखित प्रपत्र को अपनी उत्तर-पुस्तिका पर उतारकर भरें।

अरावली बैंक, शाखा - चण्डीगढ़

बैंक में रुपये जमा करवाने हेतु प्रपत्र

दिनांक : .....26.12.2023.....

जमा बचत खाता नम्बर : ..... 7873826633 .....जो कि श्री ..... विजय दीनानाथ चौहान ..... के नाम से है,

में .....रुपये चार हज़ार पाँच सौ केवल ..... (शब्दों में) की राशि जमा करें।

जमाकर्ता के हस्ताक्षर ..... विजय दीनानाथ चौहान .....

6) मान लीजिए आपका नाम सूर्य कुमार यादव है। आपका हिमालय बैंक, शाखा सोलन में एक बचत खाता है, जिसका नंबर 123498734242 है। आपको अपने इस खाते में दिनांक 23.06.2023 को ₹3000 जमा करवाने हैं। इस अनुसार निम्नलिखित प्रपत्र को अपनी उत्तर पुस्तिका पर उतारकर भरें :-

हिमालय बैंक, शाखा : सोलन
बैंक में रुपये जमा करवाने हेतु प्रपत्र

दिनांक : ..... 23.06.2023 .....

जमा बचत खाता नम्बर : ..... 123498734242 ..... जो कि श्री ..... सूर्य कुमार यादव ..... के नाम से है,

में ..... रुपए तीन हज़ार केवल ..... (शब्दों में) की राशि जमा करें।

जमाकर्ता के हस्ताक्षर : ..... सूर्य कुमार यादव .....

7) मान लीजिए आपका नाम मेधावी है। आपका भारतीय डाक के सेक्टर – 47, चंडीगढ़ में एक बचत खाता है, जिसका नम्बर 6283389291 है। आपको अपने इस खाते में से दिनांक 21.08.2023 को 10,000/- रुपये निकलवाने हैं। इस अनुसार निम्नलिखित प्रपत्र को अपनी उत्तर-पुस्तिका पर उतारकर भरें।

रुपये निकालने का फार्म
(जमाकर्ता द्वारा भरा जाए)
डाकघर का नाम : सेक्टर – 47,चंडीगढ़

दिनांक : ..... 21.08.2023 .....

बचत खाता सं : ..... 6283389291 .....
कृपया मुझे .....10,000/- रु. (अंकों में) ..... केवल दस हज़ार रुपये ..... (शब्दों में)
का भुगतान करें।

जमाकर्ता के हस्ताक्षर : .....मेधावी.....

indipunjab.com

8) मान लीजिए आपका नाम चार्वी है। आपका भारतीय डाक के सेक्टर – 43, चंडीगढ़ में एक बचत खाता है, जिसका नम्बर 37289932411 है। आपको अपने इस खाते में से दिनांक 05.11.2023 को 25,000/- रुपये निकलवाने हैं। इस अनुसार निम्नलिखित प्रपत्र को अपनी उत्तर-पुस्तिका पर उतारकर भरें।

रुपये निकालने का फार्म
(जमाकर्ता द्वारा भरा जाए)
डाकघर का नाम: सेक्टर – 43, चण्डीगढ़

दिनांक : ..... 05.11.2023 .....

बचत खाता सं: ..... 37289932411 .....

कृपया मुझे ..... 25,000/- रु. (अंकों में) .....केवल पच्चीस हज़ार रुपये .....(शब्दों में) का भुगतान करें।

जमाकर्ता के हस्ताक्षर : .....चार्वी.....

9) मान लीजिए आपका नाम नरेन्द्रपाल सिंह है। आपका पता है - मकान नम्बर - 124, सेक्टर - 12 चंडीगढ़। आपको 6924, शताब्दी एक्सप्रेस से दिनांक 24.09.2023 को चंडीगढ़ से दिल्ली जाना है। इस अनुसार निम्नलिखित प्रपत्र को अपनी उत्तर-पुस्तिका पर उतारकर भरें।

गाड़ी सं: और नाम : 6924, शताब्दी एक्सप्रेस

यात्रा की तारीख : ..... 24.09.2023 ....

यात्रा आरंभ करने का स्टेशन : ..... चंडीगढ़ ..... से ..... दिल्ली ..... स्टेशन तक आरक्षण

नाम व पता : ..... नरेन्द्रपाल सिंह, मकान नम्बर - 124, सेक्टर - 12 चंडीगढ़ .....

आवेदक के हस्ताक्षर : .....नरेन्द्रपाल सिंह.....

10) मान लीजिए आपका नाम गुरप्रीत सिंह है। आपका पता है - मकान नम्बर - 245, सेक्टर - 34 मुम्बई। आपको 2345 राजधानी एक्सप्रेस से दिनांक 15.09.2023 को मुम्बई से चंडीगढ़ जाना है। इस अनुसार निम्नलिखित प्रपत्र को अपनी उत्तर-पुस्तिका पर उतारकर भरें।

गाड़ी सं: और नाम : 2345 राजधानी एक्सप्रेस

यात्रा की तारीख : .....15.09.2023.....

यात्रा आरंभ करने का स्टेशन : ..... मुम्बई ..... से ..... चंडीगढ़ ..... स्टेशन तक आरक्षण

नाम व पता : ..... गुरप्रीत सिंह, मकान नम्बर - 245, सेक्टर - 34 मुम्बई .....

आवेदक के हस्ताक्षर : ..... गुरप्रीत सिंह.....

hindipunjab.com